संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -357 मंगलवार ,29 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महाराष्ट्र और झारखंड में नामांकन की आखिरी तारीख आज

» आयोग बढ़ाएगा सख्ती,उतारे जाएंगे विशेष पर्यवेक्षक...

» निर्वाचन आयोग ने दोनों राज्यों की संवेदनशीलता को देख बढ़ाई सतर्कता...

» दोनों राज्यों के प्रत्येक विधानसभा में पहले ही तैनात है सामान्य पर्यवेक्षक...

नई दिल्ली,28 अक्टूबर 2024(ए)। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव का दंगल सजने के साथ ही निर्वाचन आयोग ने दोनों ही राज्यों में अपनी निगरानी और बढ़ा दी है। इसके तहत दोनों राज्यों में जल्द ही विशेष पर्यवेक्षकों की भी तैनाती दी जाएगी।

महाराष्ट्र और झारखंड दोनों ही राज्यों में मंगलवार को नामांकन दाखिल करने का अंतिम तारीख खत्म होने के साथ इसे अंजाम दिया जाएगा। विशेष पर्यवेक्षकों में पुलिस और आय-व्यय को जांचने वाले पर्यवेक्षक भी रहेंगे।

आयोग ने वैसे तो दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ ही अपनी निगरानी बढ़ा दी थी। इस दौरान दोनों राज्यों की प्रत्येक विधानसभा में पर्यवेक्षकों की तैनाती दी गई थी।

सूत्रों की मानें तो दोनों राज्यों में जिस तरह से सियासी हलचल बढ़ी हुई है, उनमें विशेष चौकसी रखने की जरूरत है। यही वजह है कि आयोग ने दोनों राज्यों के प्रत्येक जिलों और विधानसभा में सख्त निगरानी का तंत्र खड़ा करने में जुटी है।

आयोग ने पिछले हफ्ते ही की थी बैठक

आयोग ने पिछले दिनों ही देश के करीब 625 सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और आईआरएस अधिकारियों के साथ इसे लेकर बैठक की है। माना जा रहा है कि इनमें बड़ी संख्या में अधिकारियों की सामान्य पर्यवेक्षक के रूप में तैनाती दे गई है। वहीं बाकी अधिकारियों को जल्द ही विशेष पर्यवेक्षक के रूप में तैनाती देने की तैनाती है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावः बीजेपी ने जारी की तीसरी लिस्ट

अब तक उतारे सबसे ज्यादा 146 उम्मीदवार

भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। तीसरी लिस्ट में कुल 25 उम्मीदवारों को जगह दी गई है। इसमें नागपुर-पश्चिम से सुधाकर कोहले और नागपुर-उत्तर से मिलिंद पांडुरंग माने को उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अभी तक कुल 146 उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। भाजपा ने अपनी पहली लिस्ट 20 अक्टूबर को जारी की थी। इस लिस्ट में 99 उम्मीदवारों को जगह दी गई थी।पहली लिस्ट में डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस और प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले समेत कई दिग्गजों के नाम थे। इसके बाद भाजपा ने दूसरी लिस्ट 27 अक्टूबर को जारी की थी। इस लिस्ट में 22 उम्मीदवारों के नाम शामिल थे। महाराष्ट्र की 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को एक चरण में ही मतदान होने हैं, जबकि 23 नवंबर को नतीजों की घोषणा की जाएगी।तीसरी लिस्ट में पार्टी ने नागपुर-पश्चिम से सुधाकर कोहले और नागपुर-उत्तर से मिलिंद पांडुरंग माने को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने नागपुर-मध्य सीट से प्रवीण प्रभाकरराव दटके, सावनेर से आशीष रंजीत देशमुख, कटोल से चरणसिंग ठाकुर, आर्वी से सुमित वानखेड़े, साकोली से अविनाश ब्राह्मणकर, चंद्रपुर से किशोर जोरगेवार, वसई से स्नेहा दुबे, बोरीवली से संजय उपाध्याय, वर्सोवा से भारती हेमंत लव्हेकर और लातूर शहर से अर्चना चाकुरकर को उम्मीदवार बनाया है। इसी प्रकार कराड उत्तर सीट से मनोज घोरपड़े, मालशिरस से राम सतपुते, आष्टी से सुरेश धस, घाटकोपर पूर्व से पराग शाह और मुर्तिजापुर से हरीश पिंपले को टिकट दिया गया है। फडणवीस नागपुर दक्षिण-पश्चिम से पार्टी के उम्मीदवार हैं, जबकि प्रदेश इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले, मंत्री गिरीश महाजन, सुधीर मुनगंटीवार, अतुल सावे जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी टिकट दिया गया।महाराष्ट्र में भाजपा महायुति गठबंधन का हिस्सा है और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर चुनावी मैदान में है।

देश की संक्षिप्त खबरें

तोड़ो-फोड़ो और राजनीति करो की भूमिका निभा रही भाजपा : संजय राउत

मुंबई,28 अक्टूबर 2024 (ए)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से राज्यसभा सांसद एवं पार्टी प्रवक्ता संजय राउत ने आरोप लगाया कि भाजपा विभिन्न दलों को तोड़कर सत्ता में बने रहना चाहती है। उन्होंने कहा पार्टी तोड़ो फोड़ो राजनीति कर रही है।शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर हमला बोला। राउत के मुताबिक देश की कानून व्यवस्था पूरी तरह से बिगड़ चुकी है।

पप्पू यादव को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से मिली जान से मारने की धमकी

केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखकर सुरक्षा बढ़ाने की मांग

पटना,28 अक्टूबर 2024 (ए)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जान से मारने की धमकी मिली है। इसके बाद उन्होंने अपनी सुरक्षा घेरा बढ़ाने की मांग की है। पप्पू यादव ने इस संबंध में केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखकर अपने लिए वाई श्रेणी की सुरक्षा बढ़ाकर जेड श्रेणी करने की मांग की है। पूर्णिया के सांसद ने इसकी शिकायत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से भी की है।

जज साहब लाइव स्ट्रीमिंग पर कर रहे थे सुनवाई

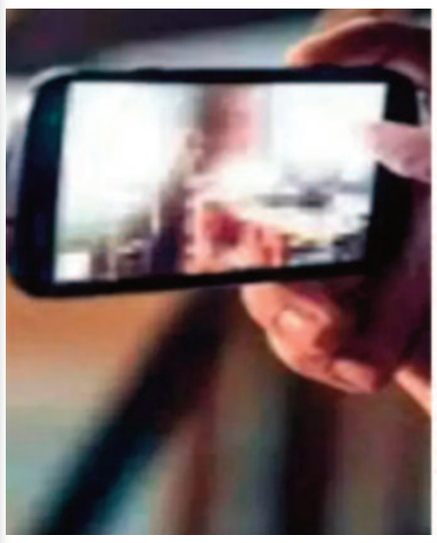

चलने लगा अश्लील वीडियो

कलकत्ता,28 अक्टूबर 2024 (ए)। कलकत्ता हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान सोमवार को एक अजीबोगरीब घटना घटी। जस्टिस शुभेंदु सामंत की कोर्ट की सुनवाई जब यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम हो रही थी, तभी अचानक अश्लील वीडियो चलने लगा. सुनवाई के दौरान ऐसा आपत्तिजनक वीडियो देखकर कई लोग हैरान रह गए। फिर अचानक से स्ट्रीमिंग बंद कर दी गई। हाई कोर्ट की सुनवाई में लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान ये चूक कैसे हो गई, ये जांच का विषय है।

चूंकि कलकत्ता हाई कोर्ट में अभी छुट्टी है. इसलिए अवकाश पीठ में सुनवाई चल रही है. सोमवार को जस्टिस शुभेंदु सामंत की कोर्ट में रूम नंबर-7 में इसी तरह सुनवाई चल रही थी। तभी अचानक अश्लील वीडियो चलने लगा। सुनवाई के दौरान ऐसा आपत्तिजनक वीडियो देखकर कई लोग हैरान रह गए। आनन-फानन में लाइव स्ट्रीमिंग को बंद करना पड़ा.हाई कोर्ट के सूत्रों के मुताबिक, हाई कोर्ट के आईटी सेल की ओर से कार्रवाई की जाएगी। आम तौर पर जब कोई हैक होता है तो पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाहिए। हालांकि, अभी तक पास के हरे स्ट्रीट पुलिस स्टेशन में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। मामले में यह भी जांच की जा रही है कि हाई कोर्ट के किसी कर्मचारी की लापरवाही तो नहीं थी।

जब सुप्रीम कोर्ट का चैनल हो गया था हैक

बता दें कि एक महीने पहले आरोप लगे थे कि सुप्रीम कोर्ट का यूट्यूब पेज हैक हो गया है। आरजी टैक्स मामले की सुनवाई का वीडियो रातों-रात आधिकारिक यूट्यूब चैनल से 'गायब' हो गया। उस घटना में सुरक्षा की बड़ी खामी सामने आई थी. सुप्रीम कोर्ट का चैनल ही नहीं मिल पाया.। एक वीडियो पर क्लिक करने पर दूसरा वीडियो खुल गया। इस बार कलकत्ता हाई कोर्ट में भी ऐसा ही हुआ. इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं।

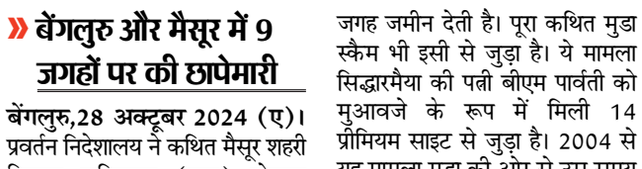

मुडा स्कैम मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

» बेंगलुरु और मैसूर में 9 जगहों पर की छापेमारी

बेंगलुरु,28 अक्टूबर 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय ने कथित मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाला मामले में बेंगलुरु और मैसूर में 8 से 9 जगहों पर छापेमारी की है। यह कार्रवाई कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनके परिवार और मुडा अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और जमीन की हेराफेरी के आरोपों की बीच हुई है।मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण को शॉर्ट फॉर्म में मुडा कहते हैं। जब सरकार किसी जमीन का अधिग्रहण करती है तो मुआवजे के तौर पर दूसरी जगह जमीन देती है। पूरा कथित मुडा स्कैम भी इसी से जुड़ा है। ये मामला सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को मुआवजे के रूप में मिली 14 प्रीमियम साइट से जुड़ा है। 2004 से यह मामला मुडा की ओर से उस समय मुआवजे के तौर पर जमीन के पार्सल के आवंटन से जुड़ा है जब सिद्धारमैया मुख्यमंत्री थे।

ये प्लॉट मैसूर में हैं। आरोप है कि सिद्धारमैया और उनकी पत्नी पार्वती ने मुडा से गैरकानूनी तरीके से जमीन ली। दावा है कि इसमें 4 हजार करोड़ रुपये का घोटाला हुआ है। जिस जमीन की यहां बात हो रही है वो केसारू गांव की 3.16 एकड़ का प्लॉट है।

सुनियोजित तरीके से देश में गुस्सा और नफरत फैला रही है सरकार

वायनाड,28 अक्टूबर 2024 (ए)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए सोमवार से अपने अभियान का आगाज किया। उन्होंने मीनांगडी में एक चुनावी रैली को संबोधित किया।प्रियंका गांधी वाड्रा ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। कुछ दिन पहले मैं अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए वायनाड आई थी। मैं रात में जब अपने होटल जा रही थी, उसी दौरान मैंने कुछ लोगों को खड़ा देखा, इसलिए मैं रुक गई और उनसे बात की।उन्होंने आगे कहा, उनमें से एक शख्स सेना से था। उसने बताया कि वह अपनी नौकरी के लिए पूरे देश में यात्रा कर चुका है। उसकी मां मुझसे मिलना चाहती थी, लेकिन वह उस जगह तक चलकर नहीं आ सकती थी, इसलिए मैंने उससे कहा कि वह मुझे अपने घर ले जाए, ताकि मैं उनसे मिल सकूं। उन्होंने मुझे पहले कभी व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा था, लेकिन जब वह मुझसे मिलीं तो उन्होंने मुझे ऐसे गले लगाया, जैसे मैं उनकी अपनी बच्ची हूं। उन्होंने मुझे ठीक वैसे ही पकड़ा था जैसे मेरी मां पकड़ती है।

पटाखा दुकान में आग लगने से भगदड़,कई लोग झुलसे

हैदराबाद,28 अक्टूबर 2024 (ए)। हैदराबाद के एक पटाखा की दुकान में आग लगने से अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पारस फायरवर्क्स नामक दुकान में आग लग गई, जिससे आसपास मौजूद लोग से भागने लगे। धधकती आग ने केवल दुकान को ही नहीं, बल्कि उसके पास खड़ी लगभग 8 कारों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में कई लोग झुलस गए, उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पूरी दुनिया देखेगी अयोध्या की भव्यता

अयोध्या,28 अक्टूबर 2024 (ए)। आठवें दीपोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। राम की पैड़ी पर दीप बिछाने का काम तकरीबन पूरा किया जा चुका है। अब अयोध्या सहित पूरी दुनिया को इंतजार है तो सिर्फ 30 अक्टूबर की शाम का। उस दिन सबके आराध्य भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक और कीर्तिमान रचने जा रही है। इस अद्भुत और अलौकिक पल के साक्षी पूरी दुनिया में बैठे लोग भी होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सूचना विभाग द्वारा इस पूरे महा आयोजन के लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था की गई है। नगर के कोने-कोने में होने वाले दीपोत्सव की आभा दिखाने के लिए एलईडी वॉल और एलईडी वैन लगवाई जा रही है। इसके अलावा मीडिया को कवरेज के लिए सेंटर की स्थापना करा दी गई है।मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में इस बार दीपोत्सव को और भी भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। शहर के मार्गों को फूलों की लडिय़ों और आकर्षक लाइट से सजाया जा रहा है। दीपोत्सव के दिन राम की पैड़ी पर होने वाले सभी कार्यक्रमों को दूरदर्शन व सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर लाइव दिखाया जाएगा।

महाराष्ट्र के अहमदनगर गांव में मारुति की गाड़ियां हैं बैन

» दिखते ही लोग कर देते हैं तोड़फोड़...

» दैत्य से जुड़ी है कहानी

अहमदनगर,28 अक्टूबर 2024 (ए)। भगवान श्री राम के भक्त और परम मित्र हनुमान को हर हिंदू पूजता है। लेकिन क्या आप जानते हैं महाराष्ट्र के एक गांव में हनुमान भगवान को नहीं बल्कि उनके परम शत्रु निंबा दैत्य को पूजते हैं। इस गांव का बच्चा-बच्चा निंबा दैत्य का भक्त है। यह गांव मुंबई से 350 किलोमीटर दूर अहमदनगर में स्थित है. यहां के लोग निंबा दैत्य को ही आदिपुरुष मानते हैं।

यहां चारों तरफ उस दैत्य का ही राज्य है. इस गांव में भगवान हनुमान जैसे महाबली का नाम भी लेना घोर पाप है। हनुमान, बजरंग बली, मारुति जैसे नाम से लोग यहां नफरत करते हैं। इस गांव के लोगों का मानना है कि भगवान हनुमान जिस पर्वत को संजीवनी बूटी के लिए उठाकर ले गए थे, वह यहीं स्थित था। यही वजह है कि यहां के लोग हनुमानजी से नाराज हैं.यहां तक कि इस गावं के निवासी लाल झंडा तक नहीं लगा सकते. उनका कहना है कि जिस समय भगवान हनुमान संजीवनी बूटी लेने आए थे, तब पहाड़ देवता साधना कर रहे थे। हनुमान जी ने इसके लिए अनुमति तक नहीं मांगी और न ही उनकी साधना पूरी होने का इंतजार किया। भगवान हनुमान ने पहाड़ देवता की साधना भी भंग कर दी. इतना ही नहीं हनुमान ने द्रोणागिरी पर्वत ले जाते समय पहाड़ देवता की दाई भुजा भी उखाड़ दी।

पर्वत से लाल रंग बहता है

मान्यता है कि आज भी पर्वत से लाल रंग का रक्त बह रहा है. यही वजह है कि द्रोणागिरी गांव के लोग भगवान हनुमान की पूजा नहीं करते और न ही लाल रंग का ध्वज लगाते हैं। इस गांव के लोग अपनी बेटियों की शादी भी ऐसे गांव में नहीं करते जहां भगवान हनुमान की पूजा होती है। गांव में कोई भी शुभ काम करने से पहले निंबा दैत्य महाराज की पूजा की जाती है।

यहां आप कोई भी गाड़ी लेकर आ सकते हो, शर्त ये है कि वो मारुति कंपनी की गाड़ी नहीं होनी चाहिए। अगर कोई इंसान मारुति की गाड़ी लेकर इस गांव में एंट्री मारता है तो उसकी गाड़ी को तोड़ दिया जाता है।. दरअसल, भगवान हनुमान का दूसरा नाम मारुति है। यही वजह है कि द्रोणागिरी गांव के लोग इस नाम को सुनना भी पसंद नहीं करते।

सेना और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़

» तीन आतंकियों के मारे जाने की खबर...

जम्मू-कश्मीर,28 अक्टूबर 2024 (ए)। जम्मू-कश्मीर के अखनूर क्षेत्र में सेना और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ की बड़ी घटना सामने आई है। सोमवार सुबह करीब 7 बजे अखनूर के बटाल गांव स्थित शिव मंदिर के पास घात लगाकर बैठे तीन अज्ञात आतंकवादियों ने सेना के काफिले पर अचानक फायरिंग कर दी। इस आतंकी हमले के बाद सेना ने त्वरित प्रतिक्रिया दी और इलाके को पूरी तरह से घेर लिया।

सूत्रों के अनुसार, फायरिंग करने वाले आतंकियों की संख्या 3 से 4 बताई जा रही है, जो फायरिंग के बाद स्थानीय शिव मंदिर के आसपास छिप गए। इस स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना, और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (स्ह्रत) की टीमों ने मिलकर एक संयुक्त तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

मुठभेड़ में अभी तक तीन आतंकियों के मारे जाने की खबर है। 32 फील्ड रेजिमेंट ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर सुरक्षा को और अधिक सख्त कर दिया है, ताकि बच निकलने का कोई रास्ता न रहे। इलाके में तनाव का माहौल है और सेना का तलाशी अभियान अभी भी जारी है।

संपादकीय

फॉर्मूला किस हद तक न्यूनतम

सार यह कि भारतीय आबादी का बड़ा हिस्सा आज भी गरीबी का मारा है। जबकि गरीबी मापने का विश्व बैंक का पैमाना खुद आलोचनाओं के केंद्र में रहा है। अनेक विशेषज्ञों ने इसे अति न्यूनतम पैमाना बताया है।विश्व बैंक ने अपनी ताजा रिपोर्ट में माना है कि 2020 (यानी कोरोना काल) के बाद से भारत सहित दुनिया में गरीबी घटने की प्रक्रिया ठहर गई है। बैंक का ताजा आकलन है कि भारत में इस समय 12 करोड़ 90 लाख लोग चरम गरीबी की अवस्था में जी रहे हैं। विश्व बैंक का चरम गरीबी का पैमाना 2.15 डॉलर प्रति दिन (परचेजिंग पॉवर पैरिटी- पीपीपी- के अर्थ में) से कम खर्च क्षमता है। पीपीपी पर यह रकम फिलहाल लगभग 44 रुपये प्रतिदिन बैठती है। वैसे विश्व बैंक ने चूंकि भारत को मध्यम आय वाले देशों की श्रेणी में रखा हुआ है, इसलिए उसका कहना है कि भारत पर चरम गरीबी का पैमाना 6.85 डॉलर प्रति दिन (पीपीपी में तकरीबन 139 रुपये) लागू होना चाहिए।इस कसौटी पर देखें, तो भारत में 43 करोड़ से अधिक लोग चरम गरीबी की अवस्था में हैं। यह संख्या 1990 में भारत में चरम गरीबी सीमा के नीचे आने वाले कुल लोगों की संख्या से ज्यादा है (तब भारत की जनसंख्या लगभग 88 करोड़ थी)। विश्व बैंक ने भारत सरकार की तरफ से हाल में जारी घरेलू उपभोग एवं खर्च सर्वे रिपोर्ट- 2022-23 में अपनाए गई विधि की आलोचना की है। इस सर्वे के आधार पर सरकार ने भारत में गरीबी मिटाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति का दावा किया था। यानी कुल सार यह है कि भारत में गरीबी के मारे लोग आज भी बड़ी संख्या में हैं। जबकि गरीबी मापने का विश्व बैंक का पैमाना खुद आलोचनाओं के केंद्र में रहा है। अनेक विशेषज्ञों ने इसे मनमाने ढंग से तैयार किया गया न्यूनतम पैमाना बताया है। अगर गौर करें कि मध्यम आय श्रेणी वाले भारत जैसे देश में रोज 139 रुपये खर्च क्षमता वाले व्यक्ति को विश्व बैंक गरीब नहीं मानता, तो समझा जा सकता है कि यह फॉर्मूला किस हद तक न्यूनतम है। आखिर इतनी रकम के साथ कोई व्यक्ति किस स्तर का उपभोग कर सकता है? बहरहाल, इस फॉर्मूले के मुताबिक भी सबसे तेजी गति से बढ़ती अर्थव्यवस्था' की यह सूरत उभरी है, हमारे विकास की दिशा क्या है, यह खुद जाहिर हो जाता है।

धनतेरस पर विशेष

देवताओं को अमृतपान कराकर अमर किया था धन्वंतरि ने

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

आयुर्वेद के भी जन्मदाता है धन्वंतरि जी...

दीवाली से दो दिन पूर्व 'धनतेरस' नामक त्यौहार मनाया जाता है, जो इस वर्ष 29 अक्तूबर को को मनाया जा रहा है। धनतेरस के प्रचलन का इतिहास बहुत पुराना माना जाता है। यह त्यौहार कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को मनाया जाता है तथा इस दिन आरोग्य के देवता भगवान धन्वन्तरि एवं धन व समृद्धि की देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। धन्वंतरि को आयुर्वेद का देवता और देवताओं का चिकित्सक माना गया है, इसलिए धनतेरस को चिकित्सकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण माना गया है। मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय इसी दिन धन्वंतरि आयुर्वेद और अमृत लेकर प्रकट हुए थे।

धनतेरस मनाए जाने के संबंध में जो प्रचलित कथा है, उसके अनुसार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी के दिन देवताओं और असुरों द्वारा मिलकर किए जा रहे समुद्र मंथन के दौरान समुद्र से निकले नवरत्नों में से एक धन्वंतरि ऋषि भी थे, जो जनकल्याण की भावना से अमृत कलश सहित अवतरित हुए थे। धन्वंतरि ऋषि ने समुद्र से निकलकर देवताओं को अमृतपान कराया और उन्हें अमर कर दिया। यही वजह है कि धन्वंतरि को 'आरोग्य का देवता' माना जाता है और आरोग्य तथा दीर्घायु प्राप्त करने के लिए ही लोग इस दिन उनकी पूजा करते हैं। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज के पूजन का भी विधान है और उनके लिए भी एक दीपक जलाया जाता है, जो 'यम दीपक' कहलाता है। धार्मिक ग्रथों में यमराज के पूजन के संबंध में एक कथा प्रचलित है। एक बार यमराज ने अपने दूतों से प्रश्न किया कि क्या प्राणियों के प्राण हरते समय तुम्हें कभी किसी प्राणी पर दया भी आई? यह प्रश्न सुनकर सभी यमदूतों ने कहा, ''महाराज, हम सब तो आपके सेवक हैं और आपकी आज्ञा का पालन करना ही हमारा धर्म है। अतः दया और मोह-माया से हमारा कुछ लेना-देना नहीं है।''

यमराज ने उनसे जब निर्भय होकर सच-सच बताने को कहा, तब यमदूतों ने बताया कि उनके साथ एक बार वास्तव में ऐसी एक घटना घट चुकी है। यमराज ने विस्तार से उस घटना के बारे में बताने को कहा तो यमदूतों ने बताया कि एक दिन हंस नाम का एक राजा शिकार के लिए निकला और घने जंगलों में अपने साथियों से बिछुड़कर दूसरे राज्य की सीमा में पहुंच गया। उस राज्य के राजा हेमा ने राजा हंस का राजकीय सत्कार किया और उसी दिन हेमा की पत्नी ने एक अति सुन्दर पुत्र को जन्म दिया

लेकिन ज्योतिषियों ने भविष्यवाणी की कि विवाह के मात्र चार दिन बाद ही इस बालक की मृत्यु हो जाएगी। यह दुःखद रहस्य जानकर हेमा ने अपने नवजात पुत्र को यमुना के तट पर एक गुफा में भिजवा दिया और वहीं पर उसके लालन-पालन की शाही व्यवस्था कर दी गई और बालक पर किसी युवती की छाया भी नहीं पड़ने दी लेकिन विधि का विधान तो अडिग था। एक दिन राजा हंस की पुत्री घूमते-घूमते यमुना तट पर निकल आई और राजकुमार की उस पर नजर पड़ गई। उसे देखते ही राजकुमार उस पर मोहित हो गया। राजकुमारी की भी यही दशा थी। अतः दोनों ने उसी समय गंधर्व विवाह कर लिया लेकिन विधि के विधान के अनुसार 4 दिन बाद राजकुमार की मृत्यु हो गई। यमदूतों ने यमराज को बताया कि उन्होंने ऐसी सुन्दर जोड़ी अपने जीवन में इससे पहले कभी नहीं देखी थी। वे दोनों कामदेव और रति के समान सुन्दर थे। इसीलिए राजकुमार के प्राण हरने के बाद नवविवाहिता राजकुमारी का करूण विलाप सुनकर उनका कलेजा कांप उठा। घटना का पूर्ण वृतांत सुनने के बाद यमराज ने यमदूतों से कहा कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी के दिन धन्वंतरि ऋषि का पूजन करने तथा यमराज के लिए दीप दान करने से इस प्रकार की अकाल मृत्यु से बचा जा सकता है। ऐसी मान्यता है कि उसके बाद से ही इस दिन धन्वंतरि ऋषि और यमराज का पूजन किए जाने की प्रथा आरंभ हुई। धनतेरस के दिन घर के टूटे-फूटे बर्तनों के बदले तांबे, पीतल अथवा चांदी के नए बर्तन तथा आभूषण खरीदना शुभ माना जाता है। कुछ लोग नई झाड़ू खरीदकर उसका पूजन करना भी इस दिन शुभ मानते हैं।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

आज धनतेरस पर विशेष

धनतेरस से प्रारंभ होता है दीपावली पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा
झुंझुनू,
राजस्थान

दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के पहले दिन को दर्शाता करता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चैक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है।

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया। विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है, इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं, उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधिया ना करे।

कैदी ईश्वर से अपनी मौत मनाया करते थे,ताकि मुक्ति मिले

यह सोवियत रूस में 1950 के दशक में जानी-मानी बात थी कि लाखों लाख रूसी कैदियों से जो अपराध जबरन कबुलवाये गये, वे वस्तुतः निरपराध लोग थे। पर बाहरी दुनिया को इस की कोई खबर न थी। इक्के-दुक्के व्यक्तियों के बताने पर उसे अतिरंजित आलोचना समझा जाता था, जो इतने अविश्वसनीय लगते थे! पर वास्तविकता उस से भी अधिक भयावह थी। गुलाग आर्किपेलाग की विरासत -2 सोवियत व्यवस्था में विविध शहरों को कोटा देकर भी गिरफ्तारियाँ और दंड दिए जाते थे। फलाँ शहर या जिले में इतनी संख्या में जनता के दुश्मनों' को पकडना है। यह सोवियत खुफिया पुलिस वालों को मिलने वाले ईनाम और तरक्की से भी जुड़ा था! सो, पुलिस अधिकारी ऊपर वालों से आग्रह करते थे कि उन्हें और भी जनता के दुश्मन' पकडने दिया जाए। यह सनक इस हद तक थी कि द्वितीय विश्व युद्ध में लडने वाले रूसी सैनिक जो जर्मन सीमा में घुसे थे, उन में भी बहुतों को गिरफ्तार किया गया।सिर्फ इस संदेह में कि चूँकि वे यूरोप के खुले, पूँजीवादी समाज का स्वतंत्र जीवन देख आए थे, तो जरूर समाजवाद के प्रति शंकालु हो गये होंगे! फिर जो रूसी सैनिक जर्मनों के बंदी होकर उधर महीनों रहे थे, उन्हें युद्ध समाप्ति के बाद लौटाये जाने पर सब को थोक भाव में बंदी बनाकर गुलाग भेज दिया गया। असंख्य वैसे रूसी सैनिक स्वदेश लौटना नहीं चाहते थे, जिन्हें ब्रिटिश और अन्य यूरोपीय सरकारों ने जबर्दस्ती वापस भेजा। (जॉर्ज ऑरवेल ने इस का प्रत्यक्ष विवरण नोट किया था, लेकिन इस घटना को यूरोपीय प्रेस ने लुप्तप्राय कर दिया क्योंकि तब सोवियत संघ हिटलर-विरोधी मोर्चे का अंग था)। उन रूसी सैनिकों में कुछ ने रास्ते में आत्महत्या कर ली, उन्हें मालूम था कि उन के साथ क्या होने वाला है। सब लौटे रूसी बंदी सैनिकों पर भी वही राजनीतिक' और क्रांति-विरोधी विचार' के अपराध की धाराएं लगाकर यातना शिविरों में भेज दिया गया।यह धाराएं इतना विस्तार घेरती थीं कि वैसे अपराधियों के परिवारजन और संबंधी, मित्र भी स्वतः संदिग्ध और अक्सर अपराधी भी करार देकर बंदी बना लिये जाते थे। एक विशेष श्रम-यातना शिविर जनता के दुश्मनों की पत्नियों का था। यानी जिस व्यक्ति को बंदी बनाया गया, उस की पत्नी भी निश्चित दुश्मन श्रेणी में संदिग्ध थी। उन के नाबालिग बच्चे भी बंदी बनाए जाते थे, ताकि बड़े होने पर सरकार के विरुद्ध शत्रुता न कर सके। जैसा सोवियत प्रोसेक्यूटर निकोलाई क्रिलेन्को ने कहा था, हमें अपने को न

केवल अतीत बल्कि भविष्य के शत्रुओं से भी बचाना है।दंड के रूप भी जारशाही जमाने की तुलना में विविधता भरे और अधिक से अधिक भयावह थे। जार के जमाने में जेल भोगे रूसी लेखक दॉस्ताएवस्की ने अपने नोट्स फ्रॉम द हाउस ऑफ द डेड' में जेल के जो विवरण लिखे हैं वे सोवियत जेल और गुलाग के विवरणों के सामने मानो स्वर्ग जैसे प्रतीत होते हैं! सोल्झेनित्सिन नोट करते हैं कि जब रूसी साम्राज्ञी कैथरीन द ग्रेट ने लेखक रादिश्चेव (1791 ई. लगभग) को कैद किया था, जो उसे यातना नहीं दी गई थी। उस के संबंधियों को भी बंदी बना लेने का ख्याल किसी को सपने में भी नहीं आया था। बल्कि रादिश्चेव जानते थे कि उन का बेटा बड़ा होकर इंपीरियल आर्मी में अफसर बनेगा, चाहे खुद रादिश्चेव का कुछ भी हो।उसी तरह, जारशाही में लेनिन के सगे भाई को आतंकवादी कार्रवाई के दंड में फाँसी हुई थी। पर लेनिन मजे से कजान विश्वविद्यालय में पढ़ते रहे। कानून की डिग्री भी ली। यदि किसी को खुद उस की राज्य-विरोधी गतिविधियों के लिए पकड़ा भी जाता था, तो केवल देहात चले जाने का हुक्म दिया जाता था। कैद भी नहीं। यह बीसवीं सदी के आरंभिक समय तक रहा। यानी, अंतिम जार के शासन तक, जिसे यूरोपीय लोग सब से बड़ा उत्पीड़क मानते रहे थे। किसी विद्रोही को सजा भी होती थी, तो एक साल की। जो सोवियत दौर में कम से कम दस साल की होती थी, वह भी जिस ने कुछ न किया हो', यानी केवल मामूली संदेह पर। वरना? बीस-पच्चीस साल की सजा सामान्य थी।जार की जेलों में राजनीतिक कैदियों को पुस्तकें आदि पढने-लिखने की सुविधाएं थी। वस्तुतः जार की जेलें ऐसी ढीली-ढाली थीं कि जो चाहे भाग सकता था। खुद स्तालिन चार बार जेल से भाग चुके थे। सो, सोल्झेनित्सिन लिखते हैं कि आलस्य या अनिच्छा के सिवा कोई कारण न था कि सोवियत काल से पहले की रूसी जेलों से कोई चाहे तो भाग न निकले। तब यंत्रणा देकर पूछताछ, जबरन अपराध कबूलवाना, आदि का तो कोई पता भी न था।चेखव के नाटकों में रूसी बुद्धिजीवी लोग जीवन की चिंताओं पर जो माथा धुनते, बिसूरते नजर आते हैं, उन्हें यदि कोई आगे तीस चालीस साल बाद रूसी जेलों में दी जाने वाली यंत्रणा बताता तो वे धक्के से पागल हो जाते! उन के चंगुल में फँसे काँपते निरीह प्राणी, उन की याचना करती आँखें, गिड़गिड़ाता व्यक्ति, पीड़ा से निकलती चीख और कराह उन के मनोरंजन थे। और यह सब थी गुलाग के श्रम-शिविरों में पहुँचने से पहले की स्थिति। केवल इंट्रोगेशन, यानी अपराध कबूल कराकर दंड दिए जाने से पहले की स्थिति। अंततः गुलाग पहुँचने के बाद तो कई स्थानों में कैदी ईश्वर से अपनी मौत मनाया करते थे, ताकि मुक्ति मिले!

-शंकर शरण-

भारत में टैक्स,जैसे सीरिंज लगा कर खून निकालना

दुनिया के सभ्य, विकसित और लोकतांत्रिक देशों ने अपने नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा का कवच उपलब्ध कराया है। उन्हें मुफ्त में अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा मिलती है। उनके लिए रोजगार की व्यवस्था की जाती है और रोजगार खत्म होते ही तत्काल भत्ता मिलता है। सरकार उनके लिए सम्मान से जीने की स्थितियां मुहैया कराती हैं। इसके उलट भारत में नागरिकों को मुफ्त की रेवड़ी, खैरांत बांटते है। वह भी किसी नियम या कानून के तहत नहीं, बल्कि पार्टियों और सरकारों की चुनावी योजना के तहत। यह इतना तदर्थ होता है कि चुनाव में नेता प्रचार करते हैं कि, देखो वह तो मुफ्ती की रेवड़ी दे रहा है लेकिन अगर दूसरी पार्टी आ गई तो वह इसे बंद कर देगी। सोचें, क्या दुनिया के किसी दूसरे देश में नागरिकों के साथ ऐसा हो सकता है?ऐसा नहीं है कि सामाजिक सुरक्षा देने वाले देशों की तरह भारत ने टैक्स की व्यवस्था नहीं की है। भारत में टैक्स ऐसे लिया जाता है, जैसे सीरिंज लगा कर खून निकाला जाता है। प्रत्यक्ष कर यानी आयकर भरने वालों की संख्या तो दो चार प्रतिशत ही है लेकिन 140 करोड़ लोगों से अप्रत्यक्ष कर यानी जीएसटी, उत्पाद शुल्क, पेट्रोलियम उत्पादों पर शुल्क, टोल टैक्स आदि वसूले जाते हैं। इसमें सरकार समभाव रखती है। देश के सबसे अमीर आदमी से भी उतना ही टैक्स लेती है, जितना सबसे गरीब आदमी से। इसके बावजूद भारत में चल रही मुफ्त की रेवड़ी की व्यवस्था

बिल्कुल वैसे ही है जैसे रक्तदान के समय तीन सौ मिलीलीटर खून निकाला जाता है और रक्तदान करने वाले को जूस का एक टेट्रा पैक पकड़ा दिया जाता है। सरकार मनमाने तरीके से टैक्स से पैसे वसूलती है और मुफ्त की रेवड़ी के रूप में जूस का एक टेट्रा पैक पकड़ा देती है। नीति बना कर नागरिकों को सम्मान के साथ जीने के लिए सामाजिक सुरक्षा के कानून नहीं बनते हैं।यहां मुफ्त की रेवड़ी का चलन है, जो हर चुनाव के साथ बढ़ता जा रहा है। अभी मिसाल के तौर पर महाराष्ट्र और झारखंड के चुनाव को ही देखें तो हैरानी होगी कि कैसे चुनावी लाभ के लिए इतना कुछ मुफ्त में देने की घोषणा की जा सकती है? हर पार्टी समान रूप से इस काम में शामिल है। 2019 के लोकसभा चुनाव से ठीक पहले केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने किसान सम्मान निधि के नाम पर किसानों के खाते में हर साल छह हजार रुपए यानी पांच सौ रुपया महीना डालने का ऐलान किया। यह योजना आज तक चल रही है। सोचें, किसानों की आमदनी बढ़ाने, उनकी फसलों की कानूनी कीमत तय करने, कृषि लागत कम करने जैसे नीतिगत उपायों की बजाय सरकार ने पांच पांच सौ रुपए देने का फैसला किया। इसी तरह कोरोना के समय पांच किलो मुफ्त अनाज देने की जो योजना शुरू हुई उसको सीधे 2029 तक के लिए बढ़ा दिया गया है। पिछले साल के अंत में छत्तीसगढ़ में चल रहे विधानसभा चुनाव के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी रैली में इसकी घोषणा की। सोचें, इतनी बड़ी नीतिगत घोषणा चुनावी रैलियों में होती है! बाद में सरकारी अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी और पिछले दिनों सरकार की ओर से इसकी औपचारिक मंजूरी दी गई। इसी तरह पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और दूसरी पार्टियों ने हर महीने आठ हजार रुपए लोगों के खाते में खटाखट डालने का वादा किया था।

-हरिशंकर व्यास-

कविता

धनतेरस

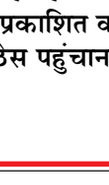

घटती-घटना
डिकेश दिवाकर
जांजगीर चांपा छत्तीसगढ़)

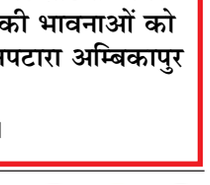

पीढ़ियाँ बीत गयी धनतेरस पर करते हुए खरीदारी
पर न बदला न बदलेगा भाग्य सुन लो हमारी ।
दो परिवारों को देखा हमने श्रमस्वेद में लथपथ
एक बनता धनवान तो दूजा सब गवाँता अकारथ ।
दो जुन रोटी मिलकर सारे सपरिवार कमाता है
गैरों की भरने को तिजोरी अपनी कमाई लूटाता है ।
कभी किसी व्यापारी के कुटुंब को हाट देखा जाते
स्वर्ण-रजत,वस्त्र-बर्तन आदि खरीद गेह को लाते ।
किन्तु देखना देख सको तो हैं पास तुम्हारे गर लोचन
करने कमाई व्यापारी त्यौहारों पर छोड़ देते हैं भोजन ।
एक वर्ग भूखा रह जाता करने को भरपूर कमाई
तो दूजा त्यौहार मनाने लूटाता है अपनी पाई - पाई ।
तीज त्यौहार आते ही कैसे दिन रात काम पे जूट जाते हैं
शुभ लाभ के फेर में पड़ एक वर्ग बाजार में टूट जाते हैं ।
फूलझड़ी फटाका के बहाने हजारों हजार जला डाले
उधर गिन गिन गड्डी नोटों की तिजोरी भर जमा डाले ।
धनतेरस पर खरीदारी करके यदि सब कुछ शुभ हो जाता
तो जरा सोंचकर देखो अपना शुभ बेचने कौन बाजार सजाता ?
कभी किसी ने शुभ लाभ बेचते सुना या फिर देखा है
चांडाल चौकड़ी के द्वारा खिंची ये भ्रम जाल की रेखा है ।
यदि करनी खरीदारी है ही तो तुम खरीद लाओ किताबें
पढ़ो लिखो मन लगाके भाग बदलेगा सुनहरें होंगे ख्वाबें ।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

धनतेरस व दीपावली को लेकर सजा बाजार,करोड़ों के कारोबार की उम्मीद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

दीपावली पर्व में अब 3 दिन शेष है। धनतेरस व दीपावली को लेकर तैयारी जोरों पर चल रही है। घरों-दुकानों की साफ-सफाई व सजाने-संवारने का काम चल रहा है। वहीं धनतेरस व दीपावली को लेकर बाजार पूरी तरह सज गया है। ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए दुकानों को आकर्षक तरीके से सजाया और संवारा जा रहा है। साथ ही मार्केट में ऑफर की भी बहार है। धनतेरस पर ऑटोमोबाइल, ज्वेलरी, बर्तन और इलेक्ट्रानिक आइटमों में अधिक खरीददारी की उम्मीद है। मार्केट के इन्हीं सेक्टरों में सबसे अधिक उत्साह देखा जा रहा है।

धनतेरस का पर्व 29 अक्टूबा को मनाया जाएगा। धनतेरस की खरीददारी के लिए बाजार सजधजकर तैयार है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में 56 से 70 लाख तक के कारोबार का अनुमान लगाया जा रहा है। इसी तरह से ज्वेलरी में 30 से 40 लाख रुपए तक की खरीदारी का अनुमान है। इसके अलावा इलेक्ट्रानिक और इलेक्ट्रानिक्स आइटमों में 40 से 50 लाख के बीच खरीदारी का अनुमान लगाया जा रहा है। इनके अलावा कपड़ा, घरेल सामग्री साहित अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री में भी अच्छी खरीददारी का अनुमान है। दीपावली में लोग अपने-घरों और प्रतिष्ठानों को आकर्षक तरीके से सजाते-संवारते हैं। त्योहार में घरों के आंगन में रंगोली बनाने की विशेष परंपरा है। सजावटी सामग्री से संबंधित शहर में दर्जनों अस्थायी दुकानों लगाई गई है। पूजा में उपयोग आने वाले दीये, भगवान श्रीगणेश और लक्ष्मी की पीपीओ से बनी प्रतिमाओं की दुकानें भी सज गई हैं। अब इनकी खरीददारी करने वाले लोगों के आने का इंतजार दुकानदारों को है। इसी तरह से दीयों की दुकानें भी शहर के हर गली-चौराहे में लगी दिख रही हैं। गुदरी बाजार भी दुकानें लगाई गई हैं। यहां बड़ी संख्या में लोग खरीददारी करने के लिए पहुंच रहे हैं।

दीपों के त्योहार दीपावली में अभी तीन दिन शेष है। इससे पूर्व ही बाजार में मिट्टी के दीयों की दुकानें शहर के विभिन्न जगहों पर सजकर तैयार है। लोग मिट्टी के दीयों की ज्यादा खरीददारी कर रहे हैं। चाइनीज सामग्रियों से परहेज कर रहे हैं।

पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवाजरी, 8 स्थानों पर की गई है वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था

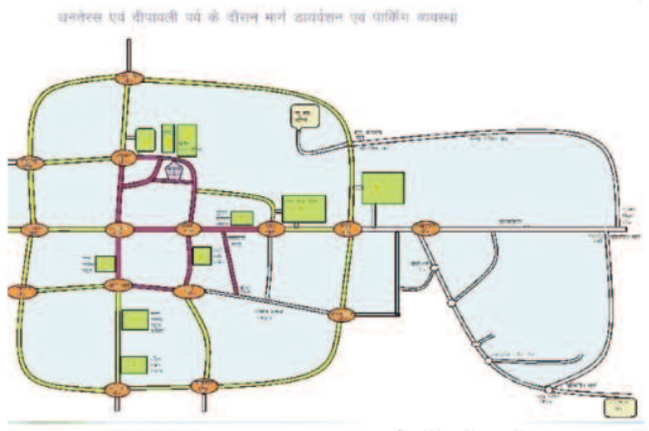

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

धनतेरस व दीपावली की खरीददारी के लिए बाजार में भीड़ उमड़ेगी। बाजार में जाम की स्थिति निर्मित न हो इसके लिए सरगुजा पुलिस द्वारा ट्रैफिक एडवाजरी जारी की गई है। शहर में कुल 8 स्थानों पर वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था की गई है। चार पहिया एवं तीन पहिया वाहनों के लिए निर्धारित मार्ग इस प्रकार है। देव होटल से महामाया चौक की ओर, अग्रसेन चौक से थाना चौक की ओर, ब्रम्ह मंदिर मोड़ से संगम चौक की ओर, थाना चौक से महामाया चौक की ओर, गुदरी चौक से संगम चौक की ओर चार पहिया, तीन पहिया वाहन प्रतिबंधित रहेगा। वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था इस तरह है गांधी चौंक से घड़ी चौंक की ओर आने वाली वाहनों का पार्किंग कलाकेन्द्र मैदान व सरस्वती शीशु मंदिर के बगल में रोड़ के दोनों तरफ पार्किंग रहेगी। ब्रम्ह मंदिर तिराहा की ओर से आने वाले सभी वाहन सत्तीपारा मार्ग का प्रयोग करते हुये कलाकेन्द्र मैदान में पार्किंग स्थल में पार्किंग रहेगी। सभी टू-व्हीलर वाहन निशांत मेडिकल के बगल में स्थित पार्किंग में अपने वाहन पार्किंग करेंगें। अग्रसेन चौक व नया बस स्टैण्ड से पूनम लॉज चौक की ओर आने वाली गाड़ी पुराना बस स्टैण्ड व अलखनन्दा टाकिज ग्राउण्ड में पार्किंग रहेगी। गुदरी चौंक से गुरूनानक चौंक की ओर आने वाली गाड़ी कोतवाली थाना के सामने रोड़ में दोनों तरफ पार्किंग रहेगी। रामानुजगंज से आने वाली गाड़ी पुलिस लाईन ग्राउण्ड (पेट्रोल पम्प के बगल में) व मल्टीपरपज स्कूल ग्राउण्ड में पार्किंग रहेगी। अग्रसेन चौक से सदर रोड़ में आने वाली वाहन बरेज तलाब के बगल में पार्किंग रहेगी। सद्भावना चौक से आने वाली गाड़ी सुदामा होटल के बगल रोड़ पर दोनों साइड पार्किंग रहेगी।

सांसद ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया औचक निरीक्षण,बीपी, शुगर की कराई जांच

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज रविवार की सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उदयपुर का औचक निरीक्षण किया। सांसद चिंतामणि ने इस दौरान पूरे स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अपना बीपी एवं शुगर जांच भी करवाई। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ चिकित्सकों एवं उनके ड्यूटी रोस्टर के बारे में जानकारी ली।

उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण करते हुए आगामी दीपावली त्यौहार के मद्देनजर स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों एवं अन्य पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी लगाए जाने के निर्देश दिए जिससे किसी तरह की आपात स्थिति में त्वरित सहायता की जा सके। उन्होंने इस दौरान निर्देशित किया कि आम नागरिकों को शासन द्वारा प्रदत सभी स्वास्थ्य सुविधाओं का शत-प्रतिशत लाभ मिले।

धान खरीदी में किसी तरह की लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त : कलेक्टर

» 14 नवंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक होगी धान खरीदी,7 से 11 नवंबर तक होगा ट्रायल रन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर की अध्यक्षता में सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में धान खरीदी की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर भोसकर ने कहा कि धान खरीदी का कार्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही ना हो, इसका कड़ाई से ध्यान रखा जाए। धान खरीदी कार्य में संलग्न सभी अधिकारी और कर्मचारी ईमानदारी से अपने

दायित्वों को निभाएं जिससे किसानों को किसी तरह की समस्या का सामना ना करना पड़े। 14 नवंबर से धान खरीदी शुरू होगी, जो 31 जनवरी 2025 तक की जाएगी। धान खरीदी केंद्रों में धान खरीदी अवधि, शासन द्वारा निर्धारित गुणवत्ता, समर्थन मूल्य, बायोमेट्रिक धान खरीदी, खाद्य विभाग के टोल फ्री नंबर, टोकन की जानकारी सहित समस्त जानकारी का दीवार लेखन सुनिश्चित करें। साथ ही धान खरीदी केंद्रों में स्थल की सफाई, कांटा बाट अथवा इलेक्ट्रॉनिक कांटा, कैप कवर, बरदाने की व्यवस्था, हमालों की व्यवस्था, डनेज व्यवस्था, छाया, पेयजल जैसी समस्त व्यवस्थाएं उपलब्ध रहें। किसानों को धान विक्रय में किसी तरह की परेशानाओं ना हो, उनके साथ संवेदनशील रवैया रखें लेकिन कोचियों और बिचौलियों पर अपनी पैनी नजर रखें। उड़नदस्ता दल लगातार निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि जीरो शॉर्टेज हमारा लक्ष्य है। आगामी ढाई माह इसी दिशा में कार्य किया जाना है। धान खरीदी के महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही करने वालों पर तत्काल कार्यवाही की जाएगी।

प्रत्येक उपार्जनकेन्द्रों में किया जाएगा ट्रायल रन

खाद्य अधिकारी चित्रकांत ध्रुव ने बैठक में बताया कि 14 नवंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक धान खरीदी की जाएगी। इससे पूर्व 7 से 11 नवंबर तक प्रत्येक उपार्जनकेंद्र में कंप्यूटरीकरण का ट्रायल रन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बायोमेट्रिक धान खरीदी के लिए सीमांत एवं लघु कृषक को अधिकतम 2 टोकन और दीर्घ कृषकों को अधिकतम 3 टोकन प्रदाय किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि बीते धान खरीदी वर्ष में 317987 टन धान खरीदी की गई। इस वर्ष धान उपार्जन का लक्ष्य 351073 टन रखा गया है। उन्होंने बताया कि शासकीय अवकाश दिवसों को छोड़कर समितियों में सोमवार से शुक्रवार तक धान खरीदी की जाएगी। बैठक में डीएमओ अरुण विश्वकर्मा, डीएम नान जेपी तिर्की, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक से प्रकाश गुप्ता सहित समस्त खाद्य निरीक्षक, समिति प्रबंधक और उपार्जन केंद्रों के कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित रहे।

अज्ञात कार की टक्कर से स्कूटी सवार युवती की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

ग्राम खर्रा नहर के पास अज्ञात कार ने स्कूटी सवार को टक्क्कर मार दी। दुर्घटना में एक युवती गंभीर रूप से जख्मी हो गई। वह भाई के साथ वापस घर लौट रही थी। गंभीर रूप से घायल युवती को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार अन्नपूर्णा सिंह पिता अरूनेन्द्र सिंह (30) दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कोटेया के रहने वाली थी। वह 27 अक्टूबर को ग्राम डिपाडीह बलरामपुर से स्कूटी से अपने भाई अंकुरेंद्र के साथ वापस घर जा रही थी। तभी खर्रा नहर के पास अज्ञात कार ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवती गंभीर रूप से जख्मी हो गई। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाए। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सडक़ किनारे खड़े हाइवा से जा टकराए बाइक सवार तीन युवक,एक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

कल्याणपुर स्थित अखोरा मोड़ के पास रविवार की शाम को बाइक सवार तीन युवक सडक़ किनारे खड़े हाइवा से जाकर टकरा गए। दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल अंबिकापुर लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार वीरबल पोर्ते पिता महेश पोर्ते उम्र 20 वर्ष राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम अखोरा खुर्द का रहने वाला था। वह रविवार की शाम को अपने दो अन्य साथियों के साथ बाइक से कल्याणपुर से घर वापस लौट रहे थे। रास्ते में अखोरा मोड़ के पास सडक़ किखरे खड़े हाइवा से बाइक जाकर टकरा गई। दुर्घटना में वीरबल गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए मिशन अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टीएस सिहदेव ने की गुरु चंद मंडल कस्टोडियल डेथ की जांच सीबीआई से कराने की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह ने बलरामपुर थाना में पुलिस अभिरक्षा में मृत गुरु चंद मंडल के परिजनों से मिल कर घटनाक्रम की जानकारी ली। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने हाईकोर्ट के सीटिंग जज से मामले की जांच कराने और दोषी सभी पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करने की मांग की है।

बलरामपुर थानांतर्गत ग्राम सन्तोषी नगर निवासी गुरु चंद मंडल की विगत दिनों पुलिस अभिरक्षा में मौत हो गई थी। उसकी पत्नी रीना मंडल के गुमशुदगी के मामले पुलिस उसे और परिजनों को लगातार पूछताछ के लिए थाने बुला रही थी। मृतक के पिता ने पूर्व उप मुख्यमंत्री को बताया पुलिसकर्मियों ने उन्हें थाने बुलाकर अमानवीय ढंग से पिटाई की। घटना पूर्व मृतक गुरु चंद मंडल, पिता शांति मंडल, असीम मंडल सहित दो अन्य लोगों को 3 दिन से पूछताछ के नाम पर थाने में रखकर टॉर्चर किया जा रहा था। इसी बीच उन्हें पुलिस कर्मियों के आपसी बातचीत से गुर चंद मंडल की मौत की अपुष्ट जानकारी मिली। पुलिस की ओर से थाने में मौजूद परिजनों को कुछ भी नहीं बताया गया। पीड़ित पक्ष ने पुलिस प्रताडऩा से परिजनों के शरीर मे आयी चोट कांग्रेस की टीम को दिखाया। मृतक गुरुचंद के शरीर मे पुलिस की पिटाई के निशान का वीडियो ,फोटो भी उपलब्ध कराया। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि यह घटना अमानवीय है। पहली नजर में साफ है गुरु चंद मंडल की मौत पुलिस की पिटाई से हुई है बाद में उसके शौचालय में फांसी लगाने की कहानी गढ़ी गई। इस घटना की जांच है कोर्ट के सीटिंग जज अथवा सीबीआई जैसी संस्था से कराई जानी चाहिए। जिन भी पुलिस वालों पर आरोप है उनके निलंबन और दोषी पाए जाने पर बर्खास्तगी की कार्रवाई से कम कुछभी मंजूर नहीं। जिन पर समाज की रक्षा की जिम्मेदारी है उनका ऐसा जघन्य अपराध अक्षम्य है। उन्होने कहा ऐसा लगता है कानून व्यवस्था सरकार के नियंत्रण से बाहर हो चुकी है। लगातार इस तरह की घटनाएं सामने आना चिंता का विषय है। आदिवासी मुख्यमंत्री के शासन काल मे आदिवासियों और आदिवासी क्षेत्र के लोगों पर अत्याचार की घटनाएं तेजी से बढ़ी है। इस दौरान औषधीय पादप बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष बाल कृष्ण पाठक महापौर डॉ अजय तिर्की, पूर्व विधायक डॉ प्रीतम राम, सूरजपुर जिला पंचायत अध्यक्ष राजकुमारी मरावी,प्रदेश कांग्रेस महामंत्री द्वितेंद्र मिश्र जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी, राकेश गुप्ता, रीपुजीत सिंह, अजय गुप्ता,शिव भजन मरावी, आशीष वर्मा,अजय सिंह, आलोक सिंह, नीतीश चौरसिया,सतीश बारी, ऋषिकेश मिश्रा,डॉ दिनेश यादव,ओंकार गुप्ता,जितेंद गुप्ता,मुन्ना सिंह, हरीश मिश्रा,लाल साय मिंज,दिलीप धर,नन्हेलाल गुप्ता, राजू सिंह,अविनाश कुमार, क्षितिज चन्देल सहित कांग्रेसजन मौजूद थे।

मोबाइल चोरी के आरोप पर एक व्यक्ति को बेरहमी से पीटा, प्रधान आरक्षक निलंबित

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मोबाइल चोरी के आरोप पर प्रतिक्षा बस स्टैंड सहायता केन्द्र प्रभारी प्रधान आरक्षक द्वारा मारपीट किए जाने का आरोप एक व्यक्ति ने लगाया है। आरोप है कि प्रधान आरक्षक ने उसे बेल्ट से बेरहमी से मारपीट की है। मारपीट किए जाने से उसका पीछे का हिस्से में गंभीर चोट आई है। पीड़ित ने मामले की शिकायत एसपी सरगुजा से की है। शिकायत पर एसपी ने प्रधानआरक्षक देवनारायण नेताम को निलंबित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार लालमन कुशवाहा मणिपुर थाना क्षेत्र के दर्रीपारा का रहने वाला है। वह ट्रांस्पोर्टिंग का काम करता है। 27 अक्टूबर को प्रतिक्षा बस स्टैंड अंबिकापुर में एक यात्री ने लालमन कुशवाहा पर मोबाइल चोरी का आरोप लगाया था। इसके बाद बस स्टैंड सहायता केन्द्र प्रभारी देवनारायण नेताम ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। इस दौरान लालमन ने प्रधन आरक्षक पर बेदम पिटाई करने का आरोप लगाया है। उसने आरोप लगाया है कि प्रधान आरक्षक ने बेल्ट से पीछे के हिस्से में बेरहमी से पीटा है। उससे उसके शरीर के पीछे का हिस्से में काला पड़ गया है। वह रात में ही मामले की शिकायत कोतवाली में की। इसके बाद सोमवार को मामले की शिकायत एसपी योगेश पटेल से की। शिकायत पर एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रधान आरक्षक की अनुशासहीनता पाए जाने पर निलंबित कर दिया है।

होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज,अंबिकापुर में छात्र संघ शपथ ग्रहण समारोह 2024-25 का कार्यक्रम संपन्न...

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

28 अक्टूबर 2024 को होली क्रॉस वीमेंस कॉलेज, अंबिकापुर के प्रेक्षागृह में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सि. शांता जोसफ के निर्देशन में छात्र संघ - शपथ ग्रहण समारोह 2024-25 का कार्यक्रम संपन्न किया गया। कार्यक्रम का आगाज़ ऊर्जा व प्रकाश के वाहक दीपों को प्रज्वलित कर किया गया। उपरांत इसके बी.एस-सी. की छात्राओं के द्वारा मधुर प्रार्थना नृत्य की प्रस्तुती दी गई। तपश्चात महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.सि. शांता जोसफ द्वारा नव चयनित पदाधिकारीयों को

अपने पद के दायित्व व कर्तव्यों की निष्ठा पूर्वक निर्वहन करने की शपथ दिलवाई गई। महाविद्यालय की छात्रसंघ की अध्यक्ष छात्रा इंशा सिद्दीकी, उपाध्यक्ष छात्रा आकांक्षा जायसवाल, सचिव छात्रा आर्या नामदेव व सहसचिव छात्रा आकृति केशरी मनोनीत हुई। साथ ही महाविद्यालय के विभिन्न सेल व एसोसिएशन के नवचयनित प्राधिकारियों ने भी अपने पद के कर्तव्य व दायित्व की शपथ ग्रहण की। यह छात्र संघ का शपथ शिक्षक प्रभारी ममता कश्यप, सहायक प्राध्यापक,रसायन व डॉ. नीना गुप्ता सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। अगले क्रम में महाविद्यालय की नवचयनित अध्यक्ष छात्रा इंशा सिद्दीकी ने अपने विचार मंच पर रखे।

उक्त कार्यक्रम में मंच संचालन छात्रा प्रिया मैरी टोप्पो तथा धन्यवाद ज्ञापन छात्रा आयुषी खाखा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शैक्षिक व अ-शैक्षिक स्टॉफ तथा महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

घर के अंदर आंगन से बाइक चोरी, जुर्म दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर से लगे फुंदूरडीहारी में 25 अक्टूबर की रात को घर के अंदर घुसकर आंगन से बाइक चोरी की वारदात सामने आई है। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार माया राम गांधीनगर थाना क्षेत्र के फुंदूरडीहारी बंगालीपारा की रहने वाली है। इसके घर के आंगन में बाइक क्रमांक सीजी 15 डी एक्स 1016 खड़ी थी। रात को किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई। दूसरे दिन सुबह सोकर उठी तो देखी की आंगन में खड़ी बाइक नहीं है। वह मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

विष्णुदेव साय ने शिक्षकों के संविलियन समेत कई अहम फैसले लिए

मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

रायपुर,28 अक्टूबर 20240 (ए)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

इस नीति में अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिए प्रावधान किए गए हैं, इस नीति से प्रदेश में औद्योगिक विकास के नये आयाम स्थापित होंगे। नई औद्योगिक नीति में भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में एमएसएमईडी एक्ट-2006 में सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं वृहद उद्योगों की परिभाषा में किए गए संशोधन को अपनाया गया है और राज्य में संतुलित विकास के लिए औद्योगिक विकास प्रोत्साहन प्रदान करने का विशेष प्रावधान किया गया है।

नवीन औद्योगिक नीति 2024-30 के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए राज्य में नवीन उद्यमों की स्थापना, विस्तारीकरण/विविधीकरण, प्रतिस्थापन एवं अन्य कार्यो के लिए औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। राज्य के सभी क्षेत्रों में सर्वांगीण औद्योगिक विकास के लक्ष्य की पूर्ति के लिए सभी जिलों के विकासखण्डों को तीन क्षेणियों में विभाजित करके दिए जाने वाले औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन की मात्रा का निर्धारण भी किया जाएगा। नई औद्योगिक विकास नीति में कोर सेक्टर के उत्पादों जैसे स्टील, सीमेंट, ताप विद्युत एवं एल्यूमिनियम के लिए पृथक प्रावधान तथा राज्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर थ्रस्ट एवं सामान्य उद्योगों में विभाजित किया गया है।

फर्मास्यूटिकल, टेक्सटाईल, फूडप्रोसेसिंग, कृषि उत्पाद संरक्षण, एनटीएफपी प्रसंस्करण इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, आईटी एवं आईटीईएस आदि के लिए आकर्षक औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन दिए जाने का प्रावधान किया गया है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत वर्ष 2019 तक 2 लाख 47 हजार हितग्राहियों को 272 यात्राओं के माध्यम से तीर्थ यात्रा कराई गई है। वर्ष 2019 में इस योजना का नाम बदलकर तीरथ बरत योजना कर दिया गया था, परंतु वर्ष 2019 से वर्ष 2023 तक इस योजना के तहत तीर्थ यात्राएं नहीं हुईं। मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के नाम से इसे पुनः शुरू करने का निर्णय लिया है।

* खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हेतु स्वीकृत शासकीय प्रत्याभूति राशि (14 हजार 700 करोड़ रूपए) की वैधता अवधि को एक वर्ष बढ़ाते हुए 31 अक्टूबर 2025 तक पुनर्वैधिकरण करने का निर्णय लिया है।
* त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय के चुनाव में अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के प्रथम प्रतिवेदन एवं अनुशंसा अनुसार आरक्षण प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत स्थानीय निकायों में आरक्षण को एकमुश्त सीमा 25 प्रतिशत को शिथिल कर अन्य पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या के अनुपात में 50 प्रतिशतआरक्षण की अधिकतम सीमा तक आरक्षण प्रदान किया जाएगा। ऐसे निकाय जहां पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति का आरक्षण कुल मिलाकर 50 प्रतिशत या उससे अधिक है, वहां अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण उस निकाय में शून्य होगा। यदि अनुसूचित जाति, जनजाति का आरक्षण निकाय में 50 प्रतिशत से कम है, तो उस निकाय में अधिकतम 50 प्रतिशत की सीमा तक अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण होगा, परंतु यह आरक्षण उस निकाय की अन्य पिछड़ा वर्ग के आबादी से अधिक नहीं होगा। निकाय के जिन पदों के आरक्षण राज्य स्तर से तय होते हैं जैसे जिला पंचायत अध्यक्ष, नगर निगम महापौर, नगर पालिका अध्यक्ष इत्यादि, उन पदों के लिए ऐसे निकायों की कुल जनसंख्या के आधार पर उपरोक्त सिद्धांत का पालन करते हुए आरक्षित पदों की संख्या तय की जाएगी।
* मंत्रिपरिषद की बैठक में शिक्षक (पंचायत) संवर्ग के 97 शिक्षकों का स्कूल शिक्षा विभाग में संविलियन किये जाने का अनुमोदन किया गया। शेष शिक्षक (पंचायत) के प्रकरणों पर पंचायत विभाग से पात्रता की अनुशंसा प्राप्त होने पर संविलियन करने हेतु स्कूल शिक्षा विभाग को अधिकृत किया गया।
* स्कूल शिक्षा विभाग के प्राचार्यों को वर्ष 2007 से वर्ष 2019 तक प्रथम मतांकन के आधार पर प्रथम व द्वितीय समयमान वेतनमान स्वीकृत करने के लिए मात्र एक बार की छूट देने का मंत्रिपरिषद ने निर्णय लिया।
* मंत्रिपरिषद द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 के प्रारूप एवं प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। यह नई औद्योगिक विकास नीति 01 नवम्बर 2024 से प्रारंभ होकर 31 मार्च 2030 तक प्रभावशीलरहेगी।
* मंत्रिपरिषद की बैठक में अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 विजन डॉक्यूमेंट के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
* नवा रायपुर अटल नगर में निवेश, रोजगार एवं बसाहट को प्रोत्साहन देने हेतु सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग,स्वास्थ्य सेवाएं, शैक्षणिक संस्थान,इलेक्ट्रानिक्स एवं इलेक्ट्रिकल उद्योगों के विकास हेतु रियायती प्रीमियम दर पर भूखण्ड आबंटन की व्यवस्था करने का निर्णय लिया गया।
* ग्राम नियानार, जगदलपुर जिला बस्तर में एन.एम.डी.सी. के अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु आवासीय परिसर के निर्माण हेतु छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल को आबंटित 118 एकड़ शासकीय भूमि, मण्डल द्वारा सी. एस. आई.डी.सी. को रजिस्ट्री के माध्यम से विक्रय की अनुमति प्रदान करने का निर्णय लिया गया।
* नवा रायपुर परियोजना हेतु आपसी करार द्वारा निजी भूमि क्रय करने पर नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को 31 मार्च 2026 तक मुद्रांक शुल्क में छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया।
* राज्य आयुक्त, दिव्यांगजन कार्यालय में राज्य आयुक्त के एक पद के सृजन का निर्णय लिया गया।
* मंत्रिपरिषद ने घोषणा पत्र के अनुरूप राज्य में मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना प्रारंभ करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इस योजना के तहत राज्य के 60 वर्ष या अधिक आयु के व्यक्ति, दिव्यांगजन, विधवा, परित्यक्त महिलाओं को उनके जीवनकाल में एक बार प्रदेश के बाहर स्थित चिंहित तीर्थ स्थानों में से एक या एक से अधिक स्थानों की निःशुल्क यात्रा कराई जाएगी। इसके लिए 2024-25 के प्रथम अनुपूरक में 25 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है।
* मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ के तकनीकी शिक्षा विभाग में भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने का निर्णय लिया है। इससे छात्र-छात्राओं को समग्र एवं लचीले शिक्षा प्रणाली के साथ ही गुणवत्तायुक्त शिक्षण की सुविधा मिलेगी। शोध और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अधिक संसाधन और सहयोग प्राप्त होंगे। उद्योगों को अधिक कुशल कार्य बल मिलेगा।
* मंत्रिपरिषद की बैठक में जनहित को देखते हुए अचल सम्पत्ति के अंतरण संबंधी दस्तावेजों के रजिस्ट्रीकरण फीस केयुक्ति युक्तकरण का निर्णय लिया गया है। बैठक मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) से संबंधित रजिस्ट्रीकरण शुल्क सारणी में पुनरीक्षण संबंधित प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।
* छत्तीसगढ़ नगर पालिक अधिनियम 1956 (संशोधन) अध्यादेश-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
* छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (संशोधन) अध्यादेश-2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

आकाश शर्मा के नामांकन पत्र को वैध घोषित किया गया

रायपुर,28 अक्टूबर 20240 (ए)। चुनाव आयोग ने आकाश शर्मा का नामांकन पत्र वैध माना है। दरअसल बीजेपी ने आपत्ति जताते हुए कहा था कि, आकाश शर्मा का दो जगह वोटर लिस्ट में नाम है। इसलिए नामांकन अवैध घोषित होना चाहिए। प्रत्याशी आकाश शर्मा का नामांकन रद्द करने भाजपा विधि प्रकोष्ठ के बृजेश पांडेय ने जिला निर्वाचन अधिकारी से मांग की थी। उनका कहना था कि, आकाश शर्मा का नाम रायपुर दक्षिण के अलावा बालोद जिले के अर्जुंदा नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक- 5 की वोटर लिस्ट में भी है। हालांकि उनकी शिकायत को खारिज कर दिया गया है। 13 नवंबर को वोटिंग और 23 नवंबर को परिणाम की घोषणा होगी।

कलेक्ट्रेट के कर्मचारी ने की आत्महत्या

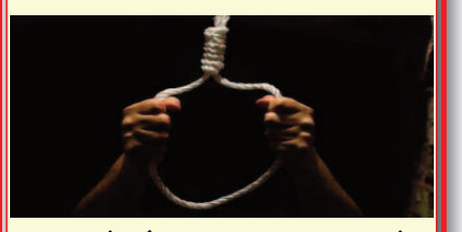

सुसाइड नोट में लगाया प्रताड़ना का आरोप

रायपुर,28अक्टूबर 2024(ए)। राजधानी रायपुर में स्थित कलेक्ट्रेट कार्यालय में कार्यरत एक कर्मचारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक का नाम प्रदीप उपाध्याय बताया जा रहा है, जो कलेक्ट्रेट में चपरासी के पद पर कार्यरत था और रायपुर के पुरानी बस्ती इलाके में निवास करता था। प्रदीप का शव उसके घर के कमरे में मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के पास से एक सुसाइड नोट बरामद किया है। इस नोट में प्रदीप ने एक डिप्टी कलेक्टर रैंक के अधिकारी पर प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है। प्रदीप ने लिखा कि उच्च अधिकारी द्वारा की जा रही प्रताड़ना के कारण उसने यह कदम उठाया है।

मुंगेली में करंट से 3 मौतें

मुंगेली,28 अक्टूबर 2024 (ए)। जिले में सोमवार को हाईटेंशन तार की चपेट में आकर 3 लोगों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर रूप से झुलस गया। उसे बिलासपुर सिम्स रेफर किया गया है। मामला सरगांव थाना क्षेत्र का है।

अंखफोड़वा कांड में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ के निलंबन को कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ ने ठहराया गलत

» कहा...पूरी जांच के बाद होनी थी कार्रवाई

रायपुर,28 अक्टूबर 20240 (ए)। दंतेवाड़ा के जिला अस्पताल में हुए अंखफोड़वा कांड से प्रभावित मरीजों का मेकाहारा, रायपुर में इलाज चल रहा है। इन मरीजों से कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता के नेतृत्व में एक दल ने मुलाकात की। डॉ गुप्ता ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि इतनी जल्दबाजी में डॉक्टर और पैरा मेडिकल स्टाफ को निलंबित करना गलत है। कई बार इस तरह के मामलों में दवाइयों के खराब होने के चलते समस्या आती है और पूरी जांच किये बिना इस तरह की कार्रवाई नहीं करनी चाहिए।

जिला अस्पताल, दंतेवाड़ा में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद कई मरीजों की आंखों में फंगस आ गया। मामले की जानकारी मिलने के बाद सभी मरीजों को मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, रायपुर (मेकाहारा) में लाया गया। इन मरीजों से मिलने के लिए कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता और उनकी टीम पहुंची। इनसे बातचीत के बाद डॉ गुप्ता ने बताया कि अधिकांश मरीजों की आंखों का ऑपरेशन कर दिया गया है। उन्होंने अफ़सोस जताते हुए कहा कि ऐसे मामले में दोबारा ऑपरेशन के बाद भी मरीजों के आंखों की रौशनी वापस आने की उम्मीद केवल 50त्न तक रह जाती है।डॉ राकेश गुप्ता ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पूर्व में चार स्थानों राजनांदगांव, बालोद बागबहरा और कवर्धा में अंखफोड़वा कांड हो चुके हैं और इन मामलों की जांच में दवाइयां अमानक पाई गई। ऐसे में डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ को जल्दबाजी में निलंबित करना गलत है। इस मामले की पूरी जांच के बाद कार्रवाई होनी चाहिए थी। फ़िलहाल जो मरीज प्रभावित हुए हैं उनके इलाज पर फोकस करना चाहिए।

प्रोटोकॉल के तहत होता है ऑपरेशन

दरअसल मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने प्रोटोकॉल जारी किया हुआ है, जिसका पालन करते हुए ही इलाज होना चाहिए। डॉ राकेश गुप्ता ने कहा कि इन्ही में से कुछ मरीजों की आंखों का ऑपरेशन पिछले वर्ष हुआ था, और इलाज सफल रहा। ऐसे में अभी डॉक्टर को गलत ठहरा देना गलत है। वहीं पैरामेडिकल स्टाफ को सीधे निलंबित कर देने को भी उन्होंने अनुचित ठहराया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से डॉक्टर और स्टाफ हतोत्साहित होते हैं। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों में बहुत ही गरीब मरीजों की आंखों का इलाज होता है। इन्हें अगर नुकसान होता है तो सरकार को इनकी सहायता सुनिश्चित करनी चाहिए।

14 दिन बढ़ी गैंगस्टर अमन साव की न्यायिक रिमांड

रायपुर,28 अक्टूबर 20240 (ए)। झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर और तेलीबांधा शूटआउट के मास्टरमाइंड अमन साव की न्यायिक हिरासत रायपुर के कोर्ट ने 14 दिनों के लिए बढ़ा दी है। कारोबारी पर शूटआउट मामले में तेलीबांधा थाना पुलिस ने अमन साव को कोर्ट में पेश न करके रिमांड बढ़ाने का आवेदन लगाया था, जिस पर कोर्ट ने रिमांड बढ़ाने का फैसला सुनाया है। झारखण्ड का कुख्यात गैंगस्टर अमन साव फिलहाल रायपुर पुलिस की रिमांड पर है। अमन पर रंगदारी वसूलने और राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र में पीआरए ग्रुप के ऑफिस के बाहर कारोबारी पर फायरिंग कराने का आरोप है। इसके लिए उसने गुर्गे भी भेजे थे। इसके अलावा अन्य मामलों में भी रायपुर पुलिस अमन से पूछताछ कर रही है।

बिना अनुमति होर्डिंग्स लगाना जनसंपर्क अधिकारी को पड़ा महंगा

» वित्तमंत्री ओपी चौधरी ने की कार्रवाई...

रायपुर,28अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में आवास पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने बिना अनुमति होर्डिंग्स लगाने के मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के जनसंपर्क अधिकारी अमर प्रकाश सावंत को सस्पेंड कर दिया है। बताया जा रहा है कि रायपुर शहर में दिवाली के दौरान पटाखों से संबंधित होर्डिंग्स बिना मंत्री की मंजूरी के लगवा दिए गए थे, जिसमें मंत्री ओपी चौधरी के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की भी फोटो थी। सरकार ने इसे जनसंपर्क अधिकारी का मनमाना व्यवहार मानते हुए इसे गंभीर प्रशासनिक उल्लंघन बताया है। पॉल्यूशन बोर्ड के मेम्बर सिकरेट्री द्वारा जारी किए गए निलंबन आदेश में इस कार्रवाई का कारण प्रशासनिक बताया गया है, लेकिन अंदरूनी खबरों के अनुसार, बिना अनुमति के राजधानी में होर्डिंग्स लगाना जनसंपर्क अधिकारी को महंगा पड़ गया।

फर्जी वीडियो के खिलाफ थाने जाऊंगा : सुनील सोनी

रायपुर,28अक्टूबर 2024(ए)। रायपुर दक्षिण के भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी का एक मुस्लिम समाज के व्यक्ति को गले लगाकर चुम्बन लेते वीडियो वायरल हुआ है। कांग्रेस ने अपने वाट्सएप्प ग्रूप में वीडियो को पोस्ट किया है। इसकी भाजपा में तीखी प्रतिक्रिया हो रही है। भाजपा प्रत्याशी सुनील सोनी ने इस वीडियो को फर्जी करार दिया, और इस पर एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है। वायरल वीडियो को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि वीडियो में सोनी गले लेकर शायद चुम्मा देते भी नजर आ रहे हैं,मैंने भी वीडियो देखा है। दक्षिण के मतदाता अच्छे से सारी चीज समझ रहे हैं क्योंकि चुनाव है तो अभी गले भी लगेंगे चुम्मा भी लेंगे, सब करेंगे।

बिलासपुर में अवैध पेरामेडिकल संस्थानों का गोरखधंधा

» छात्रों के भविष्य से किया जा रहा है खिलवाड़..

बिलासपुर,28अक्टूबर 2024(ए)।

छात्रों को चिकित्सा शिक्षा के नाम पर ठगने वाले अवैध पेरामेडिकल संस्थानों का गोरखधंधा बिलासपुर में धड़ल्ले से चल रहा है। एनएसयूआई के प्रदेश सचिव रंजेश सिंह ने पुलिस अधीक्षक को एक पत्र लिखकर इस पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में मुख्य रूप से माई एजुकेशन नामक संस्थान का जिक्र है, जो बिना मान्यता के बीएमएलटी, डीएमएलटी, ओटी टेक्नीशियन, डायलिसिस, और एक्स-रे जैसे कोर्स में दाखिला देकर छात्रों से मोटी फीस वसूल रहा है।

रंजेश सिंह ने आरोप लगाया है कि यह संस्थान खुद को मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर से संबद्धता का दावा करता है और इसी बहाने छात्रों और उनके अभिभावकों को झांसे में लेकर बड़ी रकम वसूल रहा है। शिकायत के अनुसार, 2020-21 सत्र में प्रवेश लेने वाले 18 छात्रों की अब तक परीक्षा नहीं हुई है। छात्रों ने बताया कि उनकी प्रथम वर्ष की परीक्षा संस्थान द्वारा ही आयोजित की गई, लेकिन अब तक न तो कोई परिणाम जारी हुआ और न ही उन्हें किसी प्रमाणपत्र की जानकारी दी गई है।छात्रों ने शिकायत की है कि परीक्षा के नाम पर संस्थान ने फर्जी तौर पर उन्हें परीक्षा दिलवाई, जिससे छात्रों के भविष्य पर सवाल खड़ा हो गया है। ऐसे फर्जी संस्थानों में शिक्षा के नाम पर ठगी जारी है, और बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता नजर आ रहा है।

बच्चों को जहर देकर मां ने खुद पीया,तीनों की हालत गंभीर

बालोद,28अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ के बालोद से दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है, जहां मां ने अपने दो मासूम बच्चों को जहर पिलाकर खुद भी पी लिया. हालत गंभीर होने पर तीनों को प्राथमिक उपचार के बाद राजनांदगांव रेफर किया गया. यह घटना अर्जुन्दा थाना क्षेत्र के कुरदी गांव की है. मिली जानकारी के अनुसार छोटे बच्चों के विवाद में देरानी जेठानी का झगड़ा हो गया. इसके बाद गुस्से में आकर जेठानी डुमेंश्वरी साहू ने कीटनाशक की दवाई खरीदकर लाई, फिर अपने दो मासूम बच्चे हिमांसी 4 वर्ष और जागेन्द्र 7 वर्ष को कीटनाशक दवाई पिला दी और खुद भी कीटनाशक पी लिया.

तीनों को परिवार के लोगों ने अस्पताल लाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को राजनांदगांव रेफर कर दिया गया. अर्जुन्दा पुलिस जांच मामले की जांच में जुटी है.

नवपदस्थ कलेक्टर एस.जयवर्धन ने किया पदभार ग्रहण

कलेक्ट्रेट में लगने वाले विभिन्न कार्यालयों का किया निरीक्षण

-समरोज खान-
सूरजपुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।
जिले के नवपदस्थ कलेक्टर एस.जयवर्धन, भा.प्र.से. (2014) ने सूरजपुर जिले की संभाली कमान। पदभार ग्रहण करने के पश्चात कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय में लगने वाले विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। जिसके तहत न्यायालय कलेक्टर, वरिष्ठ लिपिक शाखा, भू-अभिलेख शाखा,शिक्षा, खाद्य, महिला एवं बाल विकास व जनसंपर्क कार्यालय इत्यादि कार्यालयों का निरीक्षण किया गया। शासन के नवीनतम स्थानांतरण आदेश के तहत कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन का स्थानांतरण जिला-मोहला मानपुर-अम्बागढ़ चौकी से जिला- सूरजपुर हुआ है।

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की ली बैठक

कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक ली गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर,संयुक्त कलेक्टर श्री नरेंद्र पैकरा,डिप्टी कलेक्टर द्वय श्रीमती शिवानी जायसवाल एवं श्रीमती चांदनी कंवर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने 14 नवंबर से शुरू होने वाले धान उपार्जन की तैयारी को लेकर सभी अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। सभी खरीदी केंद्रों में आवश्यक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने पंजीकृत किसानों की जानकारी लेते हुए रकबा सत्यापन की कार्यवाही सख्ती से करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने धान खरीदी को लेकर किसानों की समस्याओं का निराकरण करते हुए, उन्हें शासन द्वारा दी जा रही सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में सभी तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों से तहसील के संबंध में मूलभूत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न तहसीलों में भूमि अधिग्रहण, सीमांकन, डायवर्सन, त्रुटि सुधार, बंदोबस्त, खसरा एवं नक्शा त्रुटि सुधार, अविवादित, विवादित नामांतरण, बंटवारा, भूमि आवंटन और अभिलेख दुरुस्तीकरण, भू-राजस्व वसूली, भू-अर्जन प्रकरणों का मुआवजा भुगतान आदि प्रकरणों की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने समस्त पटवारी एवं कोटवारों के साथ निरंतर बैठक करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने तहसीलो में कानून व्यवस्था की जानकारी लेते हुए, जिले में कानून व्यवस्था बेहतर करते हुए शांति बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन के साथ समन्वय करने के निर्देश दिया।

रामानुजनगर के स्कूलों में किया गया साइकिल वितरण

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।
रामानुजनगर के हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल में विधायक प्रेमनगर श्री भूलन सिंह मरावी के द्वारा साइकिल वितरण संपन्न हुआ। स्वागत उद्बोधन सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज कुमार साहू ने दिया। विधायक ने कहा कि बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने में हमारी सरकार संकल्पित है आप सभी जानते हैं कि 2004 में प्रदेश की भाजपा सरकार ने छात्राओं को नियमित स्कूल आने एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के उद्देश्य से सरस्वती साइकिल योजना प्रारंभ की थी। तब से आज तक कक्षा नवमी पढ़ने वाले सभी पात्र छात्राओं को निःशुल्क साइकिल वितरण सरकार की ओर से किया जाता है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में 120 साइकिल का वितरण किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री जयप्रकाश ने कहा कि बालिकाएं उच्च शिक्षा प्राप्त कर स्वावलंबी होंगी तभी 2047 तक प्रधानमंत्री का विकसित भारत का सपना पूरा होगा। बीना गुप्ता ने छात्राओं को शुभकामना देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा। इस अवसर पर सत्यनारायण दुबे, संत साहू, सुमंत साहू, विकास दुबे, युवा नेता संजीव गुप्ता, सरपंच राम सिंह, विकासखंड शिक्षा अधिकारी पंडित भारद्वाज, बीपीओ रवि नाथ तिवारी, बीआरसीसी हजारी चक्रधारी, प्रधान पाठक श्याम लाल ठाकुर, सुल्तान खान शिक्षकों में हरेकृष्ण उपाध्याय, जेपी पाल, अभय साहू, विजया सिंह, ममता मिश्रा, आदि उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन प्राचार्य कामता प्रसाद प्रजापति ने किया। वही उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गणेशपुर में पालकों के अपार जनसमूह और कर्मा दल के साथ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम में 102 छात्राओं को साइकिल वितरण किया गया, हाई स्कूल अर्जुनपुर में भी 36 छात्रों को साइकिल, इसी तरह उत्तर माध्यमिक विद्यालय परशुरामपुर में भी 48 छात्राओं को साइकिल विधायक के द्वारा प्रदाय किया गया। संबंधित स्कूलों के प्राचार्य ने आवश्यक व्यवस्था कर कार्यक्रम को संपन्न कराया।

जंगल के बीच लगाया जा रहा था भाग्य की अजमाईश,पुलिस आने की भनक लगते ही छोड़ भागे 16 टूव्हीलर

-संवाददाता-
कोरबा,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।
जिले के पाली थाना क्षेत्र मे जंगल के बीच चल रहे जुआ फड़ पर पुलिस की रेड से पहले जुआरी हो गए फरार। हालांकि पाली पुलिस की टीम को जुआरियों के बाइक को जब्त करने में सफलता मिली है। पुलिस ने 16 टूव्हीलर को जब्त कर की कार्यवाही। बता दें कि एसपी सिद्धार्थ तिवारी,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यू. बी .एस. चौहान ,एसएसपी श्रीमती नेहा वर्मा व एसडीओपी पंकज ठाकुर के दिशानिर्देश, व मार्गदर्शन में सभी प्रकार के गतिविधियों एवं त्योहारी सीजन में गस्त पेट्रोलिंग के दौरान पाली थाना प्रभारी चमन सिन्हा को मुखबिर से सुचना मिली कि चैतुरगढ़ पहाड़ी एरिया के घने जंगलों में 52 पत्ती ताश जुआ चल रहा है,जिस पर थाना प्रभारी के द्वारा पुलिस टीम को बना पहाड़ी के घने जंगलों में रात के समय 2 घंटे कड़ी मशक्कत के बाद जुवाडियो को पता चला । जिसपर उनके नजदीक (घाटी)पहुँचने से पूर्व पहाड़ी जंगल एवं रात के अधेरे का सहारा ले जुवाड़ी भागने में सफल हो गए पर पुलिस द्वारा घेराबंदी करने से उनके द्वारा लाए मोटरसाइकिल जिसे छोड़कर भागे थे को विधिवत जब्त किया गया । पाली थाना प्रभारी चमन सिन्हा ने बताया कि चैतुरगढ़ पहाड़ी एरिया के जंगल में जुआ चलने की खबर लगातार मिल रही थी एवं रोज स्थान बदल.बदलकर जुआ पर बैठा जाता था। इस एरिया में मोबाइल टावर नहीं होने के कारण उन लोगों को इसका फायदा मिलता था। जुआ खेलने की वजह से कई घर तबाह हो गए. इस खेल पर प्रतिबंध लगा हुआ है, इसके बावजूद कई लोग छिपकर जुआ खेलते दिखाई दे जाते हैं। लेकिन कई लोग इस खेल में पैसों का लेनदेन करते हैं,उसके बाद उसकी लत ऐसी लगती है कि कई लोग कंगाल तक हो जाते हैं। इस मामले में 106 बी. एन. एस. एस. के तहत जप्त कर कार्यवाही की जायेगी साथ ही पृथक से एम. वी .एक्ट के तहत कार्यवाहीं की जायेगी। पाली थाना से ए.एस .आई.अशोक खांडेकर, प्रधान आरक्षक हिरावन श्रोते , आरक्षक शैलेन्द्र तंवर,अनिल कुर्रे अहम भूमिका रहीं।

पतरापाली के माध्यमिक विद्यालय में छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए टाई व बेल्ट का किया गया वितरण

-संवाददाता-
सूरजपुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।
निजी स्कूलों की तर्ज पर अब माध्यमिक शाला पतरापाली के सरकारी स्कूलों के बच्चे भी टाई और बेल्ट लगाकर स्कूल पढ़ने जाएंगे। स्कूल के शिक्षको ने आपस में पैसे जमाकर बच्चों के लिए टाई और बेल्ट खरीदकर बच्चों को वितरित किया।

विकासखण्ड रामानुजनगर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय पतरापाली में छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए टाई और बेल्ट का वितरण किया गया। स्कूल के शिक्षक योगेश साहू ने बताया कि उनके यहां 85 विद्यार्थी हैं। स्टाफ से कलेक्शन करके विद्यार्थियों के लिए प्राइवेट स्कूलों की तर्ज पर टाई व बेल्ट उपलब्ध कराई गई है। बेल्ट पर स्कूल का नाम, डाइस कोड सहित समग्र शिक्षा का मोनो बना हुआ है। इस बेल्ट, टाई को स्कूल ड्रेस के साथ छात्र छात्रायें उमंग के साथ पहनकर स्कूल आएंगे। इससे वह खुद को प्राइवेट स्कूल के छात्रों से कम नहीं समझेंगे और उनमें आत्मविश्वास आएगा। इस मौके पर प्रधान पाठक बी आर हितकर, संकुल समन्वयक जीडी सिंह, महेंद्र पटेल, कृष्ण कुमार यादव, अनीता सिंह, योगेश साहू, रघुनाथ जयसवाल, सरिता सिंह सहित छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

थाना उरगा पुलिस द्वारा जंगल में अवैध कच्ची महुआ शराब कारोबार पर की गई कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।
जिला पुलिस अधीक्षक सिध्दार्थ तिवारी, अति0 पुलिस अधीक्षक यु.बी.एस. चौहान, नगर पुलिस अधीक्षक भूषण एक्का के मार्ग दर्शन पर लगातार जुआ, सटटा, आबकारी एवं नारकोटिक्स एक्ट की कार्यवाही हेतु निर्देशित करने के परिपालन में दिनांक 27.10.2024 को मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम चीतापाली बरभौना नाला किनारे जंगल में अवैध रूप से भारी मात्रा में महुआ शराब ब्रिकी हेतु बनाने कि सूचना पर हमराह स्टाफ व गवाहो के साथ मौके पर जाकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया, जहां शराब बनाने वाले लोग पुलिस को देखकर नाला पार कर जंगल की ओर भाग गये। मौके से भारी मात्रा में 735 लीटर कच्ची महुआ शराब को जप्त कर कब्जा पुलिस लेकर एवं शराब बनाने वाला यंत्र व बर्तन तथा भारी मात्रा में महुआ पास को मौके पर ही नष्ट किया गया।अज्ञात आरोपियों के विरूध्द धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का अपराध पाये जाने से अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया। ज्ञात हो कि 2023 वर्ष 619 प्रकरण में 7166 लीटर जप्त किया गया था। इस वर्ष अक्टूबर माह तक कोरबा पुलिस के द्वारा 563 प्रकरण में कुल 566 लोगों के विरुद्ध कार्यवाही कर 11000 लीटर अवैध शराब जप्त की गई है। जो पिछले वर्ष की तुलना में 53.5 त्न बढ़ोतरी है।उक्त कार्यवाही में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन पर निरीक्षक युवराज तिवारी, सउनि परमेश्वर गुप्ता, आरक्षक 463, आरक्षक 862, आरक्षक 770 आरक्षक 730, आरक्षक 46, आरक्षक 520, आरक्षक 704, आरक्षक महिला आरक्षक 566, महिला आरक्षक 864 महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202410020700241

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-राजस्व सन्ः-2024-25
भगवानपुरकला (प.ह.नं.00018 हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-प्रमिला केरकेट्टा,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0शासन,

ईश्तहार

आवेदक प्रमिला केरकेट्टा प्रति स्व0 सुलदीप केरकेट्टा निवासी ग्राम भगवानपुरकला स्थित कुल खसरा नंबर 09 कुल रकबा 0.810 हे0 भूमि के द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 08/11/2024 के पुर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 28/10/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर,सरगुजा

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जैम्मा टोप्पो आ0 खेम लाल टोप्पो जाति उरांव निवासी फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 खसरा नंबर 3/13 रकबा 0.032 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा,रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 11/11/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अंबिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. अ-2/2023-24

एतद द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुदंशन दानखेड़े आ0 नेमीकुमार दानखेड़े जाति जैन निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 द्वारा निवेदन किया गया है कि उसके स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम नमनाकला तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर नंबर 322/10,322/14, रकबा 0.16, 0.020 हे0 जिसे उसने दिनांक 28/02/1984 ख0नं0 322/12 रकबा 0.020 हे0 विनायक प्रसाद मिश्र आ0 विश्वनाथ प्रसाद मिश्र निवासी, अम्बिकापुर व दिनांक 31/3/2000 को ख0नं0 322/14 रकबा 0.016 हे0 जमुनालाल आ0 छेदीलाल जाति कायस्थ निवासी नमनाकला तहसील अम्बिकापुर के द्वारा विक्रय पत्र से प्राप्त हुआ है, तथा जो भूमि वर्ष 1983-84 के अनुसार विनायक प्रसाद मिश्र आ0 विश्वनाथ प्रसाद के नाम से व्यपवर्तित हो चुकी है, उक्त भूमि का पुर्ननिर्धारण के लिए आवेदन पत्र, बी-1, खसरा नक्शा, रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त सम्बंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निधारित सुनवाई तिथि 11/11/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता हैं। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 28/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अंबिकापुर

कुख्यात आरोपी कुलदीप के विरुद्ध सरकार की शुरू हुई कार्यवाही...

कबाड़ के अवैध कारोबार को पूरा ध्वस्त करने गोदाम मकान पर चला जेसीबी

सरकार के इस कार्यवाही से यह प्रतीत हो रहा है कि सरकार पीड़ित को न्याय दिलाने की ओर काम कर रही है... थोड़ी देर से ही सही...पर प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी के हत्यारे पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार की बड़ी कार्यवाही

किसी को भी नहीं लगी भनक जेसीबी व प्रशासनिक अमले को देखकर लोग हुए आश्चर्यचकित

सूरजपुर नगर सहित आसपास एक साथ चार स्थानों पर यह कार्रवाई शुरू की गई है। जिला प्रशासन,पुलिस और नगर पालिका का अमला इन स्थानों पर तैनात है। सोमवार तड़के 5 बजे अवैध निर्माण को ढहाने पूरी टीम जुटी। सुबह छह बजे एक साथ चार स्थानों पर अवैध निर्माण को तोड़ने की कार्यवाही शुरू की गई। एक दर्जन जेसीबी एक्सवेटर लगाए गए हैं। इलाके की बेरिकेटिंग कर दी गई है ताकि लोगों की पहुंच वहां तक न हो। अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई नगर के पुराना बाजार सहित मानपुर तिलसिवां और रिंग रोड में चल रही है। यह कार्यवाही होनी है इस बात को लेकर किसी को भी चौंकाने वाली थी सुबह प्रशासनिक अमले को देखकर लोग भी आश्चर्यचकित हो गए कि आखिर यह क्या हो रहा है।

यह पूरा मामला

बता दें कि सूरजपुर के प्रधान आरक्षक तालिब शेख की पत्नी मेहनाज और आलिया की नृशंस हत्या सहित कई पुलिस कर्मियों पर जानलेवा हमले में शामिल कुलदीप साहू की गिरफ्तारी के बाद से ही नागरिकों और समाजसेवी संगठनों ने उसके अवैध निर्माण को तोड़ने की मांग की थी। बढ़ते दबाव के बीच 15 अक्टूबर को नगर पालिका प्रशासन ने कुलदीप साहू के पिता और चाचा की तमाम अवैध संपत्तियों पर नोटिस चस्पा कर इसे हटाने के आदेश दिए थे। तब से यह संभावना बनी थी कि जल्द ही अवैध निर्माण को तोड़ा जाएगा। इस घटना के बाद एसपी एमआर अहिरे और कलेक्टर रोहित व्यास का स्थानांतरण भी कर दिया गया। सोमवार को पुलिस और प्रशासन सहित नगर पालिका की टीम ने कुलदीप साहू की अवैध संपत्तियों को ढहाने की कार्यवाही शुरू कर दी। सूरजपुर के पुराना बाजार पारा, मानपुर वार्ड क्रमांक 14 तिलसिवां सर्किट हाउस और रिंग रोड में बेजा कब्जा हटाने की कार्यवाही चल रही है।

-समरोज खान-
सूरजपुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिले में 13 अक्टूबर को हुई थी बड़ी वारदात, जिसमें कुख्यात आरोपी कुलदीप साहू व उनके मित्रों के द्वारा प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी की हत्या कर दी गई थी, वह भी उस समय जब प्रधान आरक्षक ड्यूटी पर था, तभी से सभी आरोपियों को फांसी पर चढ़ाने साथ ही उनके घर तोड़ने तक की मांग हो रही थी, घटना के 15 दिन बाद अंततः बड़ी कार्यवाही देखने को मिली जब आरोपी के घर व गोदाम पर सुबह ही जेसीबी लेकर प्रशासन पहुंच गई और अवैध बने मकान व गोदाम को तोड़कर धराशाई कर दिया, इस कार्यवाही को लेकर जहां सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं आती रही वहीं शांतिपूर्ण ढंग से पूरी कार्यवाही की गई। ज्ञात हो की पिछले 13 अक्टूबर को कोतवाली के प्रधान आरक्षक की पत्नी और बेटी की हत्या कर दी गई थी। मुख्य आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर हत्याकांड को अंजाम दिया गया था, इस वारदात ने सबको हिला कर रख दिया था। हत्या के आरोपियों के पकड़ में आने के बाद नगर पालिका ने मुख्य आरोपी कुलदीप के पिता व चाचा के मकान में अवैध कब्जा हटाने नोटिस चस्पा किया था, उसके बाद यह कार्यवाही की गई है। पुराना बाजार स्थित मकान के पीछे हिस्से के अवैध कब्जे को जेसीबी लगाकर ढहा दिया गया। इस दौरान सुरक्षा की दृष्टि से आवागमन को रोक दिया गया था। बताया जाता है कि रिंग रोड सहित तीन चार स्थानों में अवैध कब्जे को भी हटाने की कार्यवाही की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक यह कार्रवाई जारी थी बताया जाता है कि बड़ी मात्रा में कबाड़ भी जप्त किया गया है।

कार्यवाही में यह थे शामिल

कार्यवाही के लिए सूरजपुर के एसडीएम जगन्नाथ वर्मा, रामानुजनगर एसडीएम अजय मोरियम, भैयाथान एसडीएम सागर सिंह के अलावा लटोरी, सूरजपुर, भैयाथान, भटगांव और रामानुजनगर के तहसीलदारों की भी ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा एडिशनल एसपी संतोष महतो भी पुलिस अमले के साथ अवैध कब्जा निर्माण को तोड़ने की कार्यवाही की मॉनीटरिंग कर रहे हैं। यह कार्यवाही आज दिन भर चलने की संभावना है।

शहर को छावनी में किया गया तब्दील

आरोपी कुलदीप साहू के अवैध अतिक्रमण को तोड़ने के लिए जिला प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा कमर कसकर सुबह से ही घटनास्थल पर उपस्थित होकर अतिक्रमण को तोड़ने हेतु बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं पूरे शहर को छावनी में तब्दील कर दिया गया।

इन सौ डिस्बिल जमीन से हटाई गई अतिक्रमण

चार जगह पर लगभग सौ डिस्मिल से अतिक्रमण हटाया गया है जिस में मुख्य आरोपी का घर भी शामिल था, राजस्व विभाग के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुराना बस स्टैंड सूरजपुर, ग्राम पंचायत तिलसुआ, मानपुर इन चार जगहों पर अतिक्रमण की कार्रवाई की गई है जिसमे सौ एकड़ की भूमि शामिल है। इस में बेदखली की कार्रवाई हुई है, दो दर्जन पटवारी, छह तहसीलदार, तीन एसडीएम, दस ट्रैक्टर, आठ जेसीबी सहित एक पोकलाइन मशीन, पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने देर शाम को ही सभी जिले के थाना चौकियों के बलों को जिला मुख्यालय के कोतवाली में बुलाया गया था।

आरोपी व आरोपी के परिजनों के लगभग 75 डिसमिल जमीन से हटाया गया कब्जा

पुराना बाजारपारा में तकरीबन 25 डिसमिल का अवैध बाउंड्री वॉल निर्माण किया गया है जहां कबाड़ रखने के लिए, गोदाम भी बनाए गए हैं। इसी तरह मानपुर वार्ड क्रमांक 14 में 50 डिसमिल जमीन है जहां कई कमरे और चार दीवारी के साथ गोदाम तैयार किया गया है। यह सभी अवैध बताया गया है। इसके अलावा सर्किट हाउस के पास करीब चार एकड़ जमीन में बीच-बीच में गोदाम और कई कमरों का निर्माण है यहां भी तोड़ने की कार्रवाई चल रही है। सर्किट हाउस के पास रिंग रोड में भी कुछ जमीन में निर्माण हुआ है यहां अभी तोड़ने की कार्यवाही शुरू नहीं हुई है लेकिन माना जा रहा है कि दोपहर तक यहां भी प्रशासन की कार्यवाही शुरू हो जाएगी।

नगर पंचायत अध्यक्ष कंचन सोनी का योग क्लास की महिलाओं द्वारा किया गया सम्मान

योगाभ्यास को सुविधाजनक और प्रभावी बनाने की पहल

-संवाददाता-
प्रतापपुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

नगर पंचायत अध्यक्ष कंचन सोनी को सोमवार को योग क्लास में उपस्थित महिलाओं ने शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। यह सम्मान समारोह उस समय आयोजित किया गया जब कंचन सोनी ने महिलाओं के लिए योगाभ्यास को सुविधाजनक और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से योग क्लास में कई सामग्रियों की व्यवस्था करवाई थी। सोनी द्वारा की गई इस पहल से योगाभ्यास में आने वाली महिलाओं में खुशी की लहर देखने को मिली और उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष की सराहना की।

कंचन सोनी की इस सहायता से योगाभ्यास की क्लासों में सुधार हुआ और महिलाएं योग को अधिक सुविधाजनक माहौल में कर सकीं। सम्मान समारोह के दौरान महिलाओं ने कंचन सोनी से योग क्लास के कक्ष में टाइल्स लगाने की मांग भी की। इस मांग पर कंचन सोनी ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि दिवाली के बाद योग कक्ष में टाइल्स लगवा दी जाएंगी ताकि महिलाओं को और भी सुविधाएं मिल सकें। इस मौके पर नगर की वरिष्ठ महिलाएं और योगाभ्यास की सदस्याएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रीमती चन्द्रमणी गर्ग (अध्यक्ष), श्रीमती राधा देवी (उपाध्यक्ष), श्रीमती कौशर जहां, श्रीमती अफसारी कुरैशी (लाडली), श्रीमती कविता गर्ग, श्रीमती अफसाना कुरैशी, श्रीमती रेखा गर्ग, श्रीमती नाजरा खातुन, श्रीमती कमरून निशा, श्रीमती सगीता श्रेष्ठ, श्रीमती लीलावती जायसवाल, कु. आयशा, श्रीमती ज्योति गुप्ता, श्रीमती दीपा गुप्ता, श्रीमती प्रिंयका गुप्ता, श्रीमती अनिता गुप्ता, श्रीमती रेखा सोनी, श्रीमती संध्या सोनी, श्रीमती रानी गुप्ता, श्रीमती नसीमा, श्रीमती रूबी, श्रीमती रिफत जहां, श्रीमती यासमीन, श्रीमती चादनी गर्ग समेत भारी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। महिलाओं ने कहा कि योग उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी है और कंचन सोनी द्वारा योग के प्रति किया गया यह सहयोग बेहद सराहनीय है। नगर पंचायत द्वारा योगाभ्यास को बढ़ावा देने के इस प्रयास से महिलाओं में उत्साह है, और उन्हें उम्मीद है कि आने वाले समय में इस प्रकार की सुविधाएं बढ़ती रहेंगी।

कृषि मंत्री राम विचार नेताम का प्रतापपुर में भव्य स्वागत,आगामी चुनावों और विकास कार्यों पर चर्चा

-संवाददाता-
प्रतापपुर,28 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री राम विचार नेताम के प्रतापपुर क्षेत्रीय दौरे के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। मंत्री नेताम के इस दौरे का उद्देश्य न केवल पार्टी के कार्यकर्ताओं से मुलाकात करना था, बल्कि क्षेत्रीय समस्याओं और विकास के मुद्दों पर चर्चा करना भी था। प्रतापपुर पहुंचते ही मंत्री का स्वागत नगर के प्रमुख भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्पमालाओं और गर्मजोशी के साथ किया गया। इस अवसर पर मंत्री नेताम ने पार्टी के कार्यकर्ताओं,और ग्रामीणों से मुलाकात की और उनके सुझावों और चिंताओं को सुना।

मंत्री नेताम ने आगामी नगर पंचायत और ग्राम पंचायत चुनावों पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बताया कि संगठन के सभी कार्यकर्ताओं को चुनाव में एकजुट होकर कार्य करना होगा ताकि पार्टी का प्रदर्शन और मजबूत हो। उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि संगठन की एकता ही उनकी ताकत है, और उन्हें एकजुट होकर जनता की सेवा में समर्पित रहना चाहिए।

प्रतापपुर के विकास के लिए प्रतिबद्धता

प्रतापपुर और आसपास के क्षेत्रों के विकास के लिए मंत्री नेताम ने विशेष रूप से आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रतापपुर के विकास के लिए हर संभव प्रयास करेगी और किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने देगी। उन्होंने स्थानीय निवासियों से अपील की कि वे अपनी आवश्यकताओं और समस्याओं को खुलकर रखें ताकि उन पर त्वरित कार्यवाही हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि प्रतापपुर की जनता द्वारा जो भी मांगें की जाएंगी, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री नेताम ने यह भी स्पष्ट किया कि वे न केवल प्रतापपुर, बल्कि पूरे प्रदेश के विकास के लिए समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार किसान कल्याण और ग्रामीण विकास के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और यह क्षेत्र भी इसका लाभ उठाएगा। ग्रामीणों और स्थानीय नेताओं ने मंत्री के इस आश्वासन पर आभार व्यक्त किया और विकास कार्यों में अपनी भागीदारी का भरोसा दिया।

उपस्थित जनसमूह और सम्मान समारोह

मंत्री के दौरे के दौरान प्रतापपुर में भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। नगर के वरिष्ठ नागरिकों, पत्रकारों और क्षेत्रीय नागरिकों ने मंत्री नेताम का अभिवादन किया और उन्हें क्षेत्रीय समस्याओं से अवगत कराया। स्थानीय ग्रामीणों ने मंत्री के साथ प्रतापपुर में विकास से संबंधित अपनी चिंताओं को साझा किया और मंत्री ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने भाग लिया, जो आगामी चुनावों में पार्टी की शक्ति और जनसमर्थन को दर्शाता है। नेताम के इस दौरे से कार्यकर्ताओं में जोश और आत्मविश्वास का संचार हुआ और प्रतापपुर क्षेत्र में पार्टी की पकड़ और मजबूत हुई है। और जनता से मुलाकातकी है। व्यापारी संघ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार, समाजसेवी धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन कर्ता राजेश गुप्ता,भाजपा नेता मुकेश तायल,मुकेश गुप्ता रवि जायसवाल, शहादत हुसैन, काजू कश्यप, लालू शर्मा, सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

C M Y K

MH

धनतेरस एवं दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं....

HONDA

इस नवरात्रि, धनतेरस एवं दिवाली

महामाया होंडा

लायें है उपहारों की बहार...

महा धमाका

Scratch & Win

प्रत्येक खरीदी पर एक निश्चित उपहार

₹1100/- के डाउन पेमेंट पर गाड़ी फाइनेंस

₹2000/- एक्सचेंज बोनस

ब्याज दर 7.99%* से शुरू

प्रोसेसिंग का शुल्क 0*

फाइनेंस 100%* तक

कैशबैक ₹5000*

एक्सचेंज बोनस ₹2000* तक

*T&C Apply

महामाया होंडा | एम.जी. रोड, अम्बिकापुर
7489025000, 7489026000, 7489027000

शुभ धनतेरस

धनतेरस एवं दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं...

सोने एवं चांदी के
जेवर लेने पर
मजदूरी में
25 प्रतिशत की छूट
दी जा रही है।
यह ऑफर केवल
धनतेरस एवं
दीपावली
तक ही रहेगी ।

PAB

जागो
ग्राहक जागो

HUID है
तो सोना है

सच्चे भाव में सामान की खरीददारी करें
HUID देखकर ही सामान खरीदें

प्रलोभन या बहकावे में ना आए
(BIS) के app पर HUID देखकर ही सामान खरीदें शुद्धता की पूर्ण गारंटी

जगत जननी मां महामाया की असीम अनुकंपा से
विगत 32 वर्षों से आपके सेवा में आपका
अपना प्रतिष्ठान परशु आभूषण भंडार इस वर्ष
आपके लिये सोने के सच्चे भाव पर आधुनिक एवं
फैन्सी डिजाईनों के आभूषणों के
विशाल रेंज एवं चांदी के सिक्के,
मूर्ति एवं फैन्सी आभूषणों की
विशाल रेंज लेकर
आपके सामने प्रस्तुत है।

एक बार
अवश्य
पधारें...

प्रो. अंशुल सोनी प्रो. सुनीता सोनी प्रो. परशुराम सोनी

परशु आभूषण भण्डार

निगम कॉम्प्लेक्स के सामने, गुदरी गली अम्बिकापुर (छ.ग.) मो. 9425228271, 7770899555

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)